INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त: DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update

uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-230 | मथुरा, मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

त्यौहारों पर 18 अक्टूबर के आसपास की फ्लाइट सबसे महंगी

कोलकाता की 18 हजार, शारजाह की 21 हजार की फ्लाइट की टिकट

यूनिक समय ब्यूरो

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में दीपावली की छुट्टियों को देखते हुए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि देखी जा रही है। खासकर 18 अक्टूबर के आसपास की फ्लाइट की टिकट सबसे महंगी हो गई हैं। यात्री अब कोलकाता जाने के लिए 18000 रुपये तक के टिकट का भुगतान करने के लिए तैयार रहें, जबकि शारजाह की टिकट 21000 रुपये तक पहुंच गई है। अर्थ ट्रैवल्स के डायरेक्टर नितेश खंडेलवाल का कहना है कि त्यौहारों के समय यात्रियों की संख्या

में बढ़ोतरी के कारण एयरलाइन कंपनियों ने टिकटों की कीमतें बढ़ा दी हैं। इस अवधि में टिकट की मांग सामान्य समय से दोगुनी या उससे अधिक होती है। यात्रियों को सलाह दी जा रही है कि वे यदि पहले से अपनी यात्रा की योजना बनाएं और टिकट

नितेश खंडेलवाल

संजय चतुर्वेदी

बुक कर लें तो महंगी कीमतों से बच सकते हैं। फ्लाइट्स की कीमतों में अंतर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के हिसाब से अलग है। दिल्ली, मुंबई,

ऑफलाइन के स्थान पर ऑनलाइन बुकिंग कराएं

बेंगलुरु और कोलकाता जैसी बड़ी घरेलू उड़ानों के टिकट पांच हजार रुपये से लेकर 18 हजार रुपये तक पहुंच चुके हैं। वहीं शारजाह, दुबई और सिंगापुर जैसी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकट की कीमत 13 हजार रुपये से दो लाख रुपये तक हो गई है। एयरलाइन कंपनियों का कहना है कि यह सामान्य सीजनल वृद्धि है और यात्रा के पहले बुकिंग करने से यात्री महंगी कीमतों से बच सकते हैं।अल्पाइन ट्रैवल्स के डायरेक्टर संजय चतुर्वेदी ने यह बताया कि त्योहारों के दौरान समयबद्ध यात्रा के लिए यात्रियों को फ्लाइट का शेड्यूल और उपलब्ध सीटों की जांच पहले से कर लेनी चाहिए। दीपावली के समय बढ़ी टिकट कीमतों के कारण यात्रियों को बजट के अनुसार योजना बनानी होगी। परिवार और दोस्तों के साथ यात्रा करने वाले लोगों को सलाह दी जाती है कि वे समय रहते टिकट बुक करें और ऑनलाइन बुकिंग का विकल्प अपनाएं, ताकि किसी अप्रत्याशित स्थिति में उन्हें परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रेमिका का शव फंदे पर लटका कर प्रेमी आराम से रह रहा था

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। गोवर्धन थाने के दसबिसा महावर वैश्य धर्मशाला के पीछे एक प्रेमी अपनी प्रेमिका की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने के बाद कई दिन तक घर में दुकान बंद करने के बाद आराम से रह रहा था। शव से उठती दुर्गन्ध ने हत्या का राज खोल दिया। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस युवती के प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कासगंज के नगला बेरिया का रहने वाला शैलेन्द्र काफी समय से गोवर्धन में रहकर बिजली घर के सामने पराठे की ठेली लगाता है। उसने गोवर्धन के दसविसा में महावर वैश्य धर्मशाला के पीछे कुछ समय पहले ही एक किराए के मकान में रह रहा था। इससे पहले वह इसी इलाके जिस किराए के मकान में रहता था। मकान मालिक ने मकान की मरम्मत कराने के लिए खाली करा लिया था। बताया गया कि पराठों की ठेल लगाने के

घर से तेज दुर्गंध निकलने पर खुला हत्या का राज

पड़ोसियों की शिकायत पर पहुंची थी पुलिस

प्रेमी से कर रही है पुलिस पूछताछ

दौरान एक तीस वर्षीय युवती करिश्मा के साथ शादी कर ली। शैलेंद्र और करिश्मा के एक साल का बेटा भी है। शैलेंद्र पत्नी बेटे के साथ किराए के मकान में रह रहा था। शादी के बाद से पति–पत्नी के बीच झगड़े होने लगे। दोनों एक दूसरे से झगड़ते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार शैलेंद्र ने 10 अक्टूबर से बिजली घर पर लगाई जाने वाली पराठों की ठेल को बंद कर दिया। वह अपने घर पर रोजमर्रा की तरह से रह रहा था। किसी पड़ोसी को भी इस बात का इलम नहीं था कि शैलेंद्र अपनी मृत पत्नी के साथ किस तरह रह रहा है। शैलेंद्र के मकान से दुर्गंध आते देख कुछ लोगों ने गोवर्धन पुलिस को इस बारे में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जैसे ही शैलेंद्र का दरवाजा खोला, पुलिस को तेज दुर्गंध महसूस हुई। पुलिस ने अंदर पहुंचकर देखा तो महिला का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस ने जब शैलेंद्र से इस बारे में जानकारी की तो वह ठीक से कोई जवाब नहीं दे सका। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक रवि त्यागी ने अपने उच्चाधिकारियों को भी इस बारे में बताया। फोरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। टीम ने निरीक्षण कर साक्ष्यों का संकलन किया। शव कई दिन पुराना दिखाई दे रहा था। पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दीवाली पर मिलावटखोरों पर सख्ती

मथुरा में डेयरी पर छापा

डेयरी पर छापा मारती खाद्य विभाग की टीम।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरी के विरुद्ध अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने विभिन्न स्थानों से कुल 10 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। अभियान के दौरान पुलिस बल के सहयोग से गांव हाथिया स्थित एक डेयरी पर छापा मारा जांच में पाया गया कि प्रतिष्ठान पर स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइण्ड पामोलीन ऑयल, चूना एवं साइट्रिक एसिड मिलाकर पनीर का निर्माण किया जा रहा था। मौके से पनीर के दो, रिफाइंड पामोलीन ऑयल का एक, सफेद घोल का एक तथा साइट्रिक एसिड का एक नमूना संग्रहित किया गया। टीम ने लगभग 1.40 लाख रुपये मूल्य का 400 किलोग्राम पनीर,

अपमिश्रित पनीर सहित लाखों रुपये का माल जब्त

60 लीटर रिफाइण्ड पामोलीन ऑयल 11,200 रुपये, 20 किलोग्राम चूना घोल 2,000 रुपये, 30 लीटर साइट्रिक एसिड 3,000 रुपये जब्त किया। उसके विरुद्ध थाना बरसाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इसके अतिरिक्त ओल क्षेत्र से खोआ का एक नमूना, एटीवी के पास स्थित ऑयल मिल से सरसों के तेल के तीन नमूने एवं मिल्क केक का एक नमूना भी संग्रहित किया गया।

खाद्य सचल दल में रामनरेश, जितेन्द्र सिंह, दलवीर सिंह, अरुण कुमार, मोहर सिंह कुशवाह, भरत सिंह एवं धर्मेन्द्र सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल थे।

दौर | मथुरा में पेट्रोल एवं सीएनजी कारों का दौर कायम है

ईवी की बिक्री की रफ्तार धीमी है, हाइब्रिड कार वेटिंग में चल रही हैं

यूनिक समय ब्यूरो

यूनिक समय, मथुरा। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, पेट्रोल कारों का दौर कायम है। मथुरा में ईवी कार और रिक्शा की बिक्री लगातार बढ़ रही है, मगर पेट्रोल एवं सीएनजी कारों की ग्राहकों में रुचि बरकरार है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ईवी की बिक्री में गिरावट आई है। वहीं, चीन में ईवी की बिक्री में पिछले पांच साल में पांच गुना वृद्धि हुई, लेकिन भारत में इसके विपरीत, बढ़ोतरी अपेक्षाकृत धीमी रही। उसका प्रभाव मथुरा में भी देखने को मिलता है। मथुरा में इस समय ईवी

पीयूष चतुर्वेदी, डायरेक्टर, उमा मोटर्स

की कुल बिक्री लगभग 5 प्रतिशत से भी कम है, जबकि पेट्रोल एवं सीएनजी कारों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से भी अधिक है। उमा मोटर्स के डायरेक्टर पीयूष चतुर्वेदी के अनुसार इसके पीछे कई कारण है कि ईवी की कीमत अभी भी अधिक है। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सीमित है और उपभोक्ता पेट्रोल कारों के परिचित मॉडल और सर्विसिंग सुविधा को प्राथमिकता दे रहे हैं। सरकारी नीतियों में बदलाव भी ईवी के बाजार पर असर डाल रहे हैं।

नई सब्सिडी योजनाओं और टैक्स लाभों के बावजूद, उपभोक्ता अभी भी पेट्रोल कारों को आर्थिक और सुविधाजनक विकल्प मान रहे हैं। इसके अलावा, लंबी दूरी की यात्राओं और चार्जिंग समय की चिंता ने भी लोगों को पेट्रोल कारों की ओर आकर्षित किया है। टाटा मोटर्स के डीलर ने बताया कि अगर ईवी की कीमतें और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले सालों में पेट्रोल कारों की मांग में और बढ़ोतरी हो सकती है। निष्कर्ष यह है कि इलेक्ट्रिक वाहनों का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन भारत में फिलहाल पेट्रोल कारों का आकर्षण कम नहीं हुआ है।

हत्या कराने वाली युवती की जमानत खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार ने जमीनी रंजिश में एक युवक को बुलाकर हत्या कराने के मामले में एक अभियुक्ता की जमानत को खारिज कर दिया है। डीजीसी शिवराम सिंह ने बताया कि रामू निवासी गांव पलसों ने थाना बरसाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पड़ोसी विजय से जमीन की रंजिश चल रही है। 11 जून2025 को करीब आठ बजे विजय के भतीजे रमाकांत की पुत्री रचना ने फोन करके उसके भाई अमर को बुलाया और संकेत गाजीपुर के जंगल में ले जाकर उसकी हत्या कर दी। इस मामले में रचना, राहुल, बादल व अन्य अज्ञातों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने इस मामले में जांच कर आरोप रचना और बादल के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया। पुलिस ने प्रकरण में जांच के दौरान राहुल की नामजदगी गलत पाने पर उसका नाम निकाल दिया। कारागार में निरुध रचना की ओर से जमानत के लिए प्रार्थना पत्र अधिवक्ता के माध्यम से दिया गया। जिला जज ने अभियुक्ता के जमानत प्रार्थना पत्र को निरस्त कर दिया।

पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और संत प्रेमानंद महाराज की मुलाकात

शरीर बीमार है, लेकिन हृदय से बात करूंगा : संत प्रेमानंद

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आज सुबह संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। मुलाकात से पहले पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने संत प्रेमानंद महाराज को दंडवत प्रणाम किया। फिर संत प्रेमानंद महाराज ने उनको अपने गले लगा लिया। रमणरेती क्षेत्र स्थित केलीकुंज आश्रम में पहुंचकर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने संत प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया। उनके स्वास्थ्य का हालचाल पूछा। प्रेमानंद महाराज बोले... शरीर बीमार है, हृदय से बात करूंगा। धीरेंद्र शास्त्री ने जवाब दिया– ये तो आपकी लीला है। महापुरुष ऐसे ही करते हैं। प्रेमानंद महाराज ने पूछा– वृंदावन में कब तक रहोगे। धीरेंद्र शास्त्री बोले– वह कल तक रुकेंगे। सनातन एकता पदयात्रा को लेकर एक बैठक है। दिल्ली से वृंदावन के लिए पैदल यात्रा करेंगे। प्रेमानंद महाराज ने कहा–सनातन ब्रह्म है, वायु है। सनातन सूर्य है, आकाश है, भूमि है। बिना सनातन के किसी की सत्ता ही नहीं है। धीरेंद्र शास्त्री बोले– बाबा पहले मायाजाल में फंसा था। पहले हम मुंबई में थे और मायाजाल में फंसे थे। इस पर संत प्रेमानंद महाराज ने कहा कि भगवान के पार्षद तो माया से मुक्त करने जाते हैं। माया जाल में घुसकर जीवों को माया से मुक्त करते हैं। आप भगवान के पार्षद हैं। हमारे ठाकुर जी के निज जन हैं। जहां भी जाएं वहां भगवत नाम, भगवत गुण महिमा की गर्जना करें तो उससे माया भाग जाती है। पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्णा शास्त्री ने कहा कि बाबा बस आपके दर्शन हो गए, खूब आनंद मिल गया।

केलि कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री गले मिलते हुए। दंडवत प्रणाम करते बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री।

छात्रा गुंजन चौधरी बनी एक दिन की बीएसए कॉलेज की प्राचार्य

बीएसए कॉलेज में एक दिन की बनी प्राचार्य छात्रा गुंजन चौधरी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बीएसए कॉलेज के प्राचार्य डॉ ललित मोहन शर्मा ने महाविद्यालय की बहुमुखी प्रतिभा की धनी बीएससी फिफ्थ सेमेस्टर की छात्रा गुंजन चौधरी को एक दिन के लिए प्राचार्य बनाया। गुंजन ने पद संभालते ही महाविद्यालय के उपस्थित छात्र छात्राओं व अभिभावकों की समस्याओं को सुना। फिर कार्यालय अधीक्षक को उनके अतिशीघ्र समाधान के निर्देश भी निर्गत किए। प्राचार्य डॉ ललित मोहन शर्मा ने कहा कि इस तरह के प्रयासों से समाज में एक बेहतर संदेश जाएगा और महिलाओं में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। प्राचार्य कक्ष में डॉ. एस. के. सिंह, डॉ. एस.के. राय, डॉ बी के गोस्वामी, डॉ. यू के त्रिपाठी डॉ. शांतनु व विभिन्न विभागों के प्रभारी व प्राध्यापकगण भी उपस्थित थे।

शातिर दिमाग को मात देने आ गई सड़क पर टेक्नोलॉजी

यातायात अनुशासन व सड़क सुरक्षा को नई दिशा देगा आधुनिक कैमरा तंत्र

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और यातायात व्यवस्था को स्मार्ट तकनीक से नियंत्रित करने के लिए परिवहन विभाग ने एक प्रस्ताव शासन को भेजा है। शासन की मंजूरी मिलते ही इसका कार्य शुरू करा दिया जाएगा। शासन ने जनपद को तकनीकी दृष्टि से सशक्त बनाने का बड़ा निर्णय लिया है। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जनपद में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन यंत्र लगाए जाएंगे। संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार जनपद के उच्च जोखिम वाले मार्गों, अधिक यातायात दबाव वाले मार्गों तथा संवेदनशील चौराहों को इस योजना में शामिल किया गया है। मथुरा-भरतपुर राज्य राजमार्ग संख्या 33 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के नरहौली कट टी-पॉइंट चौराहा, कोसी-नंदगांव, गोवर्धन-सौंख-फरह मार्ग, राया-दाऊजी टी-पॉइंट और जाम प्वाइंट को प्राथमिकता दी गई है। इन स्थानों पर स्वचालित निगरानी उपकरण स्थापित किए जाएंगे जो वाहनों की वास्तविक समय पर निगरानी करेंगे। अब बिना हेलमेट वाहन चलाने या गलत दिशा में जाने, मोबाइल फोन का प्रयोग करने या लालबत्ती पार करने जैसे उल्लंघन कैमरों की नजर से नहीं बच पाएंगे। वाहन संख्या प्लेट द्वारा पूरी जानकारी ऑटो नंबर प्लेट रजिस्ट्रेशन सिस्टिम से देखी जाएगी। वाहन के नंबरों से पहचानकर स्क्रीन होंगे। इससे न केवल चालान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी, बल्कि अवैध पार्किंग, जाम और बिना पंजीकरण वाले वाहनों पर भी लगाम लगेगी।

जिला सैनिक बन्धु की बैठक 17 को

यूनिक समय, मथुरा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल अरुण कुमार सिंह (अ०प्रा०) ने अवगत कराया है कि सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं की समस्याओं के निराकरण के लिए गठित जिला सैनिक बन्धु की बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में 17 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में होगी।

डंडा मारने से गाय बिदकी

यूनिक समय, शेरगढ़ (मथुरा)। कस्बा में डंडे मारने से एक गाय इधर उधर दौड़ने लगी और उसने राहगीरों के पीछे भागना शुरू कर दिया, जिससे लोग सहम गए। सूचना पाकर समाजसेवी भानु पंडित पहुंचे। उन्होंने गौ माता के उपचार के लिए चित्रलेखा हॉस्पिटल होडल भेज दिया।

ट्रेन में यात्रियों के मोबाइल उड़ाने वाले दो शातिर गिरफ्तार

कार्यालय प्रतिनिधि

जीआरपी की गिरफ्त में दो शातिर मोबाइल चोर।

यूनिक समय, मथुरा। जीआरपी ने ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को मथुरा जंक्शन से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। प्रभारी निरीक्षक यादराम सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में आरोपियों के पास से चोरी के दो मोबाइल बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों में दिलीप कुशवाह (निवासी मुरैना, म.प्र.) और हरीश (निवासी आगरा) शामिल हैं। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों के मोबाइल और अन्य सामान चोरी कर मथुरा जंक्शन पर कम दामों में यात्रियों को बेच देते हैं। हरीश के खिलाफ आगरा जिले के कई थानों में चोरी और लूट से

मथुरा जंक्शन पर जीआरपी की कार्रवाई

जुड़े मामले दर्ज हैं, जबकि दिलीप पर भी जीआरपी मथुरा में मुकदमा पंजीकृत है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक यादराम सिंह, उप निरीक्षक ललित कुमार, उप निरीक्षक कीरत कुमार, हेड कांस्टेबल सर्वेश कुमार, हेड कांस्टेबल अवनीश कुमार और कांस्टेबल लाल सिंह शामिल थे।

मोबाइल का शौक बन रहा है रोजगार का अवसर

शातिर युवक लोगों को लगा रहे हैं चूना

कार्यालय प्रतिनिधि

यूनिक समय, मथुरा। आज के दौर में मोबाइल फोन हर किसी की जरूरत बन चुका है। सुबह आंख खुलने से लेकर रात को सोने तक लोगों का सबसे करीबी साथी अब मोबाइल ही है। सोशल मीडिया, गेमिंग और ऑनलाइन वीडियो की दुनिया में लोग इस कदर डूब चुके हैं कि फोन के बिना कुछ पल भी रहना मुश्किल हो गया है। मोबाइल फोन आज हर व्यक्ति की जरूरत बन चुका है। जहां आम लोग इसका उपयोग संपर्क, जानकारी और मनोरंजन के लिए कर रहे हैं, वहीं कुछ शातिर लोग इसी मोबाइल को ठगी और धोखाधड़ी का जरिया बना चुके हैं। आधुनिक तकनीक के सहारे ये लोग घर बैठे दूसरों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। साइबर ठगी के मामले अब छोटे कस्बों और गांवों तक पहुँच चुके हैं। कभी इन ठगों का निशाना शहरों के लोग हुआ करते थे, लेकिन अब ये ग्रामीण इलाकों में रहने वाले साधारण मोबाइल यूजर्स को भी झांसे में ले रहे हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करिए या लॉटरी लगी है, जैसे संदेशों के जरिए ये लोग लोगों के बैंक अकाउंट और यूपीआई से जुड़ी जानकारी निकाल लेते हैं और पल भर में हजारों लाखों रुपए उड़ा देते हैं। पुलिस साइबर ठगी के मामलों को लेकर लगातार चेतावनी जारी कर रही है। इसके बावजूद जागरूकता की कमी और लालच में आने की वजह से लोग इनका शिकार बन जाते हैं। कुछ ठग तो फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर नौकरी, लोन या गिफ्ट के नाम पर लोगों को ठग रहे हैं। वहीं, कुछ युवक ऐसे भी हैं जिन्होंने मोबाइल के जरिए गलत रास्ते अपनाकर ऑनलाइन जुआ और बेटिंग ऐप्स से अवैध कमाई शुरू कर दी है। मोबाइल ने रोजगार के नए रास्ते जरूर खोले हैं, लेकिन इसका गलत इस्तेमाल समाज के लिए खतरा बनता जा रहा है। जरूरत है सतर्कता और जागरूकता की ताकि मोबाइल सुविधा का साधन बने ठगी का औजार नहीं।

एयर इंडिया का हाईटेक इंजीनियर चोर

चोरी के मोबाइल खरीदता और बेचता था पाट्‌र्स

यूनिक समय, सूरत। सूरत की उधना पुलिस ने शहर के कई इलाकों में मोबाइल चोरी करने वाली गैंग को पकड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। गैंग में एक शख्स धीरज रवीन्द्रनाथ झोंपे भी शामिल था, जो सूरत एयरपोर्ट पर एयरलाइंस कंपनी में टेक्निकल इंजीनियर के तौर पर काम करता है। पुलिस ने उसके घर से 263 चोरी किए गए मोबाइल बरामद किए हैं। डीसीपी कानन देसाई ने बताया कि धीरज चोरी के मोबाइल के पाट्‌र्स अलग करने के लिए हाईटेक मशीनरी का इस्तेमाल करता था और उन्हें ऊंची कीमत पर बेचता था।

उसने मोबाइल रिपेयरिंग व्यापारियों के लिए एक वॉट्सएप ग्रुप भी बनाया था। तीन आरोपियों– धीरज, रवि और संतोष को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि चोरी के और मोबाइल भी बरामद हो सकते हैं। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग की जाएगी।

15 अक्टूबर को होगा जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता शिविर

यूनिक समय, मथुरा। वित्त मंत्रालय द्वारा प्रारंभ "आपकी पूंजी, आपका अधिकार" जन–जागरण अभियान के तहत 15 अक्टूबर को अपराह्न 3 से शाम 6 बजे तक सेठ बी.एन. पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान में जिला स्तरीय जागरूकता एवं सहायता शिविर लगाया जाएगा। शिविर में अनक्लेम्ड बैंक जमा, बीमा दावे, डिविडेंड, पेंशन और म्यूचुअल फंड से जुड़ी राशि प्राप्त करने हेतु डिजिटल हेल्पडेस्क लगाए जाएंगे। नागरिकों को केवाईसी अपडेट, दावा प्रपत्र भरने और दस्तावेज सत्यापन में भी सहायता मिलेगी जिसमें सभी बैंकों का सहयोग रहेगा। शिविर का उद्घाटन एमएलसी योगेश नौहवार व जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह करेंगे। आयोजन अग्रणी जिला कार्यालय द्वारा किया जा रहा है, जिसमें सभी प्रमुख बैंक और एलआईसी का सहयोग रहेगा। जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लेने की अपील की गई है।

धान की आवक अधिक होने से स्थिति खराब

मंडी के गेट बंद होने से किसानों के वाहन हाईवे पर खड़े हुए

मंडी परिसर के बाहर जाम में फंसे वाहनों की कतार।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कृषि मंडी में धान की आवक अधिक होने से स्थिति खराब होने से मंडी के गेट बंद करने पड़े। गेट बंद होने से किसानों के धान से भरे सैकड़ों वाहन हाईवे पर लंबी कतारों में खड़े हो गए। समस्या की जड़ लोडिंग कार्य में लगे श्रमिकों की सुबह से चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल है। मंडी परिसर में धान की नीलामी का काम तो चल रहा है, लेकिन लोडिंग ठप होने के कारण खरीद किए गए धान से भरे वाहन

मंडी समिति सचिव से वार्ता करते व्यापारी।

सिटी मजिस्ट्रेट से वार्ता के बाद गेट खोले गए

परिसर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। परिसर के अंदर और बाहरी सड़कों पर खड़े ये वाहन अब जगह की भीषण कमी का कारण बन गए हैं। हड़ताली श्रमिकों ने मांग रखी है कि प्रशासन लोडिंग के लिए तैयार और खाली हो चुके वाहनों को तत्काल मंडी परिसर से बाहर निकलवाएं ताकि उन्हें काम करने की जगह मिल सके। साथ ही उन्होंने लोडिंग कार्य को केवल रात्रि 12 बजे तक ही सीमित करने की मांग भी की है। प्रशासन द्वारा मंडी गेट बंद किए जाने से किसानों में भारी रोष है। एक किसान ने बताया कि धान की कटाई चरम पर है, लेकिन मंडी में न धान बिक पा रहा है और न ही अंदर जगह है। हाईवे पर लगी वाहनों की लंबी कतारों ने यातायात को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। इस बीच यह खबर आई कि व्यापार मंडल ने मंडी खाली होने के बाद ही नया माल लाने को एक दिन की बंदी की घोषणा की थी किंतु इसके बावजूद भी काफी मात्रा में किसान आ गए थे और व्यापारी उनसे माल खरीदने के लिए तैयार नहीं थे तो सुबह 8:30 बजे बैठक करके और सिटी मजिस्ट्रेट से बात करके मंडी गेट को खुलवा कर धान के अराइवल को मंडी गेट में प्रवेश दे दिया गया।

चार संप्रदाय मार्ग पर अंधकार को लेकर लोगों का प्रदर्शन

नगर निगम वृंदावन जोन कार्यालय पर व्यापारी नेता धनेंद्र अग्रवाल की अगुवाई में प्रदर्शन करते लोग।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। व्यापारी नेता धनेंद्र अग्रवाल बॉबी के नेतृत्व में चार संप्रदाय क्षेत्र के लोगों ने नगर निगम वृंदावन जोन पर प्रदर्शन किया। ज्ञापन में रंगजी के बगीचा से चार संप्रदाय आश्रम मार्ग पर रात के दौरान अंधकार को दूर करने के लिए स्ट्रीट लाइटों को दुरस्त कराने की मांग की। कहा कि कार्तिक मास में इस मार्ग से लोग परिक्रमा मार्ग तक जाते हैं, लेकिन अंधकार के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन देने वालों में विकास ठाकुर, बाबू दास यादव, पप्पू गोस्वामी, विपिन ठाकुर, अनूप शर्मा, मुकेश अग्रवाल, कृष्णा बाबा तथा महेश ठाकुर आदि शामिल थे।

नगर निगम में जनसुनवाई के दौरान 21 शिकायतें आईं

जनसुनवाई करते अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को संभव संतुष्टि एवं समृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत नगर निगम मथुरा-वृंदावन में जनसुनवाई हुई। भूतेश्वर कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, वृंदावन जोन में अपर नगर आयुक्त सी.पी. पाठक तथा जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता (जल) अजय कुमार और सफाई निरीक्षक सौरभ अग्रवाल ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं।

भूतेश्वर जोन में 15 और वृंदावन जोन में 6 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 5 का निस्तारण तत्काल कर दिया गया। अधिकांश शिकायतें अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, जलकल एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित थी। जनसुनवाई में सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान, अनुज कौशिक, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल सिंह आदि उपस्थित थे।

गांव खौड़ा से जासा के बीच जलभराव से मुक्ति दिलाने की मांग

यूनिक समय, मथुरा। गांव खौड़ा से जासा को जोड़ने वाले मार्ग पर भारी जलभराव हो गया है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मार्ग पर लगभग बीस फीट लंबा, बारह फीट चौड़ा और करीब एक फीट गहरा पानी भरा हुआ है। इस रास्ते से निकलना बेहद मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों को नाली की पटरी पर ईंट-पत्थर रखकर जोखिम उठाकर रास्ता पार करना पड़ रहा है। कई बार लोग फिसलकर कीचड़ में गिर चुके हैं। जलभराव के कारण मच्छर पनपने और संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका भी बढ़ गई है, जिससे ग्रामीण चिंतित हैं। ग्रामीण गुलवीर सिंह, दलवीर सिंह (प्रधान), भूपेंद्र सिंह, जयवीर सिंह, अशोक कुमार, संजीव कुमार, अनिल कुमार और ओमवीर सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से इस जलभराव की समस्या से जल्द निजात दिलाने की मांग की है।

शातिर चोर गिरफ्तार, ढाई लाख रुपये बरामद

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। पुलिस ने शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 लाख पचास हजार रुपये बरामद किए हैं। थाना क्षेत्र के ग्राम दहगांव के एक महिला के मकान में घुसकर चोरों ने अलमारी से दो लाख पचास हजार रुपये चोरी कर लिए। अलमारी से हुई चोरी का पता लगने पर महिला ने इस मामले में थाने में दहगांव निवासी मुंशी पर अलमारी से पैसे चोरी करने का शक जाहिर करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामलें में चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार अभियुक्त से ढाई लाख रुपये बरामद कर

जिला कारागार में बंदियों की मेहनत से सजेगी दीपावली

जिला कारागार में लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति बनाते बंदी।

जिला कारागार में मिट्टी के दिए पर रंग करते बंदी।

मुख्य संवाददाता

जेल में बन रहे हैं आकर्षक दीपक, मोमबत्तियाँ और लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं

यूनिक समय, मथुरा। मेहनत और सृजनशीलता किसी सीमा की मोहताज नहीं होती। यह सिद्ध कर रहे हैं जिला कारागार के बंदी, जो दीपावली पर्व पर अपने श्रम और कौशल से समाज में एक नई पहचान दे रहे है। कारागार में इस समय दीपोत्सव की तैयारी चल रही है। खजानी वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से करीब 25 बंदी दीपावली से जुड़ी सजावटी सामग्री तैयार कर रहे हैं। इनमें मिट्टी के दीपक, रंग-बिरंगी मोमबत्तियाँ तथा माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्तियां शामिल हैं। जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग ने बताया कि दीपावली त्यौहार पर बंदियों को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने के लिए यह पहल की गई है। उन्हें प्रशिक्षण प्रदान कर विभिन्न उत्पादों को बनाने का कौशल सिखाया गया है। उन्होंने बताया कि बंदी न केवल रचनात्मक कार्यों में भाग ले रहे हैं। बल्कि रिहाई के बाद समाज में पुनः सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें। उन्होंने बताया कि बंदियों द्वारा तैयार किए गए सभी उत्पादों को जनता के लिए कारागार मुलाकात घर के समीप बिक्री के लिए लगाया जाएगा। बंदी बड़े मनोयोग और उत्साह के साथ मिट्टी, मोम और रंगों से सुंदर कलाकृतियाँ तैयार कर रहे हैं। दीपक और प्रतिमाओं की आकृतियाँ इतनी आकर्षक हैं कि देखने वाले दंग रह जाते हैं। कुछ बंदी तो अपने बनाए दीपकों पर विशेष डिजाइन और रंग संयोजन का प्रयोग कर उन्हें बाजार योग्य रूप दे रहे हैं।

फलदार पौधों के रोपण से संवरेगा पर्यावरण, आएगी उन्नति

दीनदयाल धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पौधों के साथ अतिथि और किसान।

संवाददाता

दीनदयाल धाम में वृक्ष मित्र-ग्राम मित्र अभियान के अंतर्गत किसानों को बांटे चार हजार फलदार पौधे

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। फलदार पौधों के रोपण से पर्यावरण संवरेगा और आर्थिक उन्नति भी आएगी। सभी को पौधे लगाकर संरक्षण का दायित्व निभाना होगा, जिससे यह पेड़ बनाकर फल दे सकें। यह बात मंगलवार को विंग कमांडर केके शुक्ला ने कहीं। दीनदयाल धाम स्थित मधुगर सभागार में आयोजित वृक्ष मित्र-ग्राम मित्र अभियान के दौरान उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने और संरक्षण करने का आह्वान किया। राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने पेड़ों का महत्व बताते हुए कहा कि आज जंगल समाप्त हो रहे हैं, यह मानव जीवन के लिए संकट की बात है। इसलिए पौधारोपण के लिए सभी को जिम्मेदारी से काम करना होगा। खुशी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल स्मारक के निदेशक सोनपाल ने कहा कि पेड़ मनुष्य के जीवन के लिए सबसे जरूरी है। विकास के साथ पौधारोपण पर भी सभी को ध्यान देना चाहिए। संस्था के पदाधिकारी नीतिश पाल ने फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे प्रकल्पों की जानकारी दी। कार्यक्रम में करीब 400 किसानों को आम, अमरूद, अनार, नींबू और आंवला, बेर के पौधे वितरित किए गए। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष पारस ठाकुर, वरिष्ठ प्रचारक संगम लाल, शारीरिक प्रमुख भगवत स्वरूप शर्मा, वीरेंद्र, अखिल, दीपक, मुकेश, राम तरकर, वैभव, ओम बघेल, संतोष पाठक एवं पप्पू आदि उपस्थित थे। संचालन कार्यक्रम संयोजक जिला प्रचार प्रमुख श्रीधाम वृंदावन राम पाठक ने किया।

स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की नामावलियों का पुनरीक्षण छह नवम्बर तक

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आगरा खण्ड स्नातक एवं आगरा खण्ड शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पूर्ण पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ हो गया है। इच्छुक अभ्यर्थी फॉर्म संख्या 18 स्नातक व फॉर्म संख्या 19 शिक्षक 6 नवम्बर तक आवेदन कर सकते हैं। स्नातक निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी का निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य निवासी होना आवश्यक है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि 1 नवम्बर 2025 को भारत के किसी विश्वविद्यालय से कम से कम तीन वर्ष पूर्व स्नातक उपाधि होनी आवश्यक है। शिक्षक निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी को निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य निवासी होना चाहिए तथा पिछले छह वर्षों में से कम से कम तीन वर्ष राज्य के भीतर माध्यमिक स्तर या उससे उच्च शिक्षण संस्था में अध्यापन कार्य किया हो। अभ्यर्थी मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की वेबसाइट सीईओ उत्तरप्रदेश.एनआईसी. इन पर ऑनलाइन भी आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र मतदान केन्द्र क्षेत्र पंचायत कार्यालय चौमुहां, क्षेत्र पंचायत कार्यालय छाता, नगर पालिका परिषद् कार्यालय कोसीकलां, क्षेत्र पंचायत कार्यालय नन्दगांव, क्षेत्र पंचायत कार्यालय गोवर्धन,नगर निगम मथुरा वृन्दावन कार्यालय वृन्दावन जोन, चम्पा अग्रवाल इंटर कालेज मथुरा, सुभाष इण्टर कॉलेज मथुरा, राजकीय इण्टर कॉलेज मथुरा, क्षेत्र पंचायत कार्यालय मथुरा, क्षेत्र पंचायत कार्यालय फरह, क्षेत्र पंचायत कार्यालय बल्देव, क्षेत्र पंचायत कार्यालय राया, क्षेत्र पंचायत कार्यालय मांट, क्षेत्र पंचायत कार्यालय नौहझील से इन कार्यालयों, अधिकारी एवं तहसील कार्यालय से प्राप्त एवं जमा किये जा सकते हैं।

उज्ज्वला लाभार्थियों को मिलेगा नि:शुल्क गैस सिलेंडर

15 अक्टूबर से शुरू होगा वितरण अभियान

यूनिक समय, मथुरा। जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। 15 अक्टूबर पूर्वाह्न 11 बजे से उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल वितरण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ उन्हीं उज्ज्वला उपभोक्ताओं को मिलेगा जिनके गैस कनेक्शन आधार प्रमाणित हैं। लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर दो चरणों में पहला चरण नवंबर से दिसंबर 2025 तथा दूसरा चरण जनवरी से मार्च 2026 के दौरान उपलब्ध कराया जाएगा। यह सुविधा केवल एकल सिलेंडर धारकों को दी जाएगी। डीबीसी (डबल सिलेंडर) कनेक्शन इस योजना में शामिल नहीं होंगे। सभी एलपीजी वितरक अपने केंद्रों पर योजना संबंधी फ्लेक्स बोर्ड लगाएंगे और उपभोक्ताओं को टेलीफोन, मोबाइल संदेश एवं हॉकर्स के माध्यम से आधार प्रमाणन हेतु जागरूक करेंगे। जिला पूर्ति अधिकारी ने अपील की है कि जिन लाभार्थियों के कनेक्शन अब तक आधार प्रमाणित नहीं हैं, वे अपने बैंक या गैस एजेंसी से संपर्क कर जल्द प्रमाणित कराकर योजना का लाभ ले सकते हैं।

भाकियू चढूनी का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन जारी

आक्रोश: उपनिबंधक सहकारी समिति को सुनाई खरी खोटी

नायब तहसीलदार के आश्वासन के बाद धरना स्थगित

प्रमुख संवाददाता

सहकारी बैंक पर ज्ञापन देते किसान नेता।

यूनिक समय, बलदेव/ मथुरा। खाद न मिलने से किसानों में जगह जगह आक्रोश दिखाई दे रहा है। जनपद में खाद की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन चढूनी ने सहकारी बैंक बलदेव पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रतन सिंह पहलवान के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रखा। धरना में पहुंचे उपनिबंधक सहकारी समिति (एआर) विवेक कौशल को किसानों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। प्रशासन पर किसानों की अनदेखी के गंभीर आरोप लगाए। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। किसानों की बात को सुनने पहुंचे उपनिबंधक सहकारी समिति (एआर) को खूब खरी-खोटी सुनने को मिली। उपनिबंधक कॉपरेटिव के आश्वाशन के बाद भी किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे, उसके बाद नायब तहसीलदार मीनू राजपूत एवं एआर कॉपरेटिव के आश्वासन पर ज्ञापन सौंपकर धरना प्रदर्शन स्थगित किया। आगरा मंडल अध्यक्ष/ प्रदेश प्रवक्ता रामवीर सिंह तोमर चेतावनी देते हुए कहा कि समस्या समाधान नहीं हुआ तो जनपद की सभी तहसीलों पर आंदोलन होगा। किसानों की परेशानी को देखते हुए तत्काल खाद वितरण प्राथमिकता से किया जाए। किसानों को लाइन में न लगना पड़े इसकी ठोस व्यवस्था की जाए। जिन गांवों में जलभराव की समस्या है उसका निस्तारण तत्काल कराया जाए। महावन तहसील में खराब हुई फसलों का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को उचित सम्मानजनक मुआवजा दिया जाए। जिससे किसानों को राहत मिले। जिला अध्यक्ष संजय पाराशर ने कहा कि प्रशासन की लापरवाही से यह समस्या उत्पन्न हुई हैं। बलदेव क्षेत्र में विभिन्न समितियों में खाद वितरण में धांधली हुई है। इसकी जांच होनी चाहिए, किसानों को आसानी से खाद वितरण होना चाहिए जिससे किसानों को खाद मिल सकें। कहा कि किसानों के लिए खाद की अतिरिक्त व्यवस्था करते हुए हर सहकारी समिति में दो गाड़ी अतिरिक्त खाद भेजा जायें, किसानों को टोकन सुविधा के आधार पर खाद वितरण किया जायें, जिससे सभी किसानों को खाद मिल सकें। इस मौके पर सतीश चंद्र, बिल्ला सिंह, कुंतभोज, हीरो काका, हरिपाल सिंह परिहार, राधेश्याम सिंह, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष गोमती कुमारी, हरिओम सिंह, ओमवीर सिंह, जयपाल सिंह चौधरी, भुल्ली सिंह, छगना सिंह, मेहताब सिंह, तेजपाल सिंह, सोनवीर सिंह, महेश प्रधान, बलवीर सिंह, अंतराम शर्मा, बच्चू सिंह, सोहन सिंह, प्रकाश तोमर, रामप्रकाश पुजारी एवं पंचम सिंह आदि मौजूद थे।

जीएलए के छात्र खिलाड़ियों का राष्ट्रीय और आंतरिक प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन

जीएलए विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को शानदर प्रदर्शन के लिए सम्मानित करते कुलपति प्रो अनूप कुमार गुप्ता। साथ हैं कुलसचिव डॉ अशोक कुमार सिंह व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के छात्र खिलाड़ियों ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। हाल ही में आईआईटी रुड़की और आईआईटी कानपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में जीएलए विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। आईआईटी रुड़की में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय खेलकूद महोत्सव 'संग्राम-25' में विश्वविद्यालय के छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। पावरलिफ्टिंग प्रशिक्षक मनुदेव आर्य के अनुसार, पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 50 किलोग्राम भार वर्ग में पथ शुक्ला ने रजत, 60 किलोग्राम वर्ग में हर्ष कौशिक ने स्वर्ण, 71 किलोग्राम वर्ग में यशवर्धन शुक्ला ने स्वर्ण तथा 79 किलोग्राम वर्ग में आयुष शर्मा ने रजत पदक प्राप्त किया। वहीं ताईक्वांडो में 63 किलोग्राम वर्ग में तुषार त्यागी ने रजत पदक हासिल किया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ जीएलए विश्वविद्यालय ने "संग्राम-25 पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप" में दो स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। इसके अतिरिक्त, हाल ही में आईआईटी कानपुर में आयोजित खेल प्रतियोगिता में जीएलए विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली खिलाड़ी यशवर्धन शुक्ला ने 79 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर विश्वविद्यालय का गौरव एक बार फिर बढ़ाया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने विश्वविद्यालय के खेल विभाग को गर्व और प्रेरणा से भर दिया है। विश्वविद्यालय पहुंचने पर विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया, जहां कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. विवेक अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह एवं डीन स्टूडेंट वेलफेयर हिमांशु शर्मा ने खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में आयोजित हॉस्टल लीग 2025 में भी छात्रों का उत्साह देखने लायक रहा। खेल विभाग और छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के हॉस्टलों के बीच एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, कराटे, शतरंज सहित कई खेलों की रोमांचक प्रतिस्पर्धा हुई, जिसमें लगभग 400 छात्रों ने भाग लिया।

कड़े मुकाबले के बाद एफ हॉस्टल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल ओवर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और किट देकर सम्मानित किया गया। मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि "जीएलए विश्वविद्यालय केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर समान रूप से बल दिया जाता है। हमारे विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि खेलों और सामाजिक गतिविधियों में भी लगातार उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय के अनुशासित माहौल और श्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रणाली का परिणाम हैं।" वहीं कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता तथा कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं, ये न केवल शारीरिक फिटनेस प्रदान करते हैं बल्कि टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को भी मजबूत करते हैं। जीएलए विश्वविद्यालय सदैव अपने छात्रों को ऐसे अवसर उपलब्ध कराता रहेगा जिससे वे हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करें। सभी के सहयोग से दोनों प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुईं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विजेता खिलाड़ियों और आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय आज शिक्षा और खेल दोनों ही क्षेत्रों में उत्कृष्टता का प्रतीक बन चुका है। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर हिमांशु शर्मा, स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर एंड्रे बेंजामिन, जेपी सिंह, अमित शर्मा, बृज बिहारी सिंह, भूपेंद्र कुमार मिश्रा, आशीष कुमार राय, आकाश कुमार, श्याम नारायण राय, रितु जाट, प्रिया चैधरी, सत्येंद्र तोमर और सोनू निषाद सहित कई शिक्षक और अधिकारी उपस्थित रहे।

उधारी के रुपये मांगने गए बैंक कर्मचारी की संदिग्ध मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के ऊंचागांव में रहने वाले बैंक के एक कर्मचारी की संदिग्ध हालत में विषाक्त पदार्थ सेवन से मृत्यु हो गई। परिवार के लोगों ने उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। युवक उधारी के पैसे मांगने के लिए गया था। ऊंचागांव निवासी धर्म सिंह (34) केनरा बैंक उस्फार में सर्विस करता था। बताया

घर लौटकर हालत बिगड़ी, अस्पताल में दम तोड़ा

गया कि उसके बुआ के लड़के मुकेश पर उधारी के पैसे थे। वह कल मुकेश के पास रुपयों का तकादा करने के लिए गया था। इसके बाद वह घर आकर गिर गया। परिवार के लोग उसकी इस हालत को देखते हुए परेशान हो गए। परिवार के लोग उसे तुरंत लेकर प्राइवेट हॉस्पिटल में ले गए। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम गृह पर आए धर्म सिंह के परिवारीजनों का कहना है कि मुकेश छाता के गांव पिलोहारा का प्रधान है और वह श्रीजी गार्डन दो में रह रहा है। धर्म सिंह से मुकेश ने मोटी रकम उधार ले रखी थी। इस रकम को मांगने के लिए वह उसके घर गया था। वहां उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद उसे विष खिला दिया गया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। इस मामले में परिवार के लोग पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

घर से गायब हुए तीन दोस्त बरामद कर परिजनों को सौंपे

घर से गायब हुए तीनों किशोर सकुशल बरामद। चित्र में परिजनों की सुपुर्दगी में।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। सोमवार दोपहर घर से गायब तीन किशोरों को पुलिस ने चार घण्टे बाद सकुशल बरामद कर परिजनों सौंप दिया। बताते चलें सोमवार को गांव नगला अर्जुन निवासी रवेन्द्र सिंह का 14 वर्षीय पुत्र नितेश व 12 वर्षीय देवेश अपने मित्र वेदप्रकाश पुत्र विपिन निवासी त्रिवाया आपस में तीनों में दोस्ती थी। अचानक तीनों घर से गायब हो गए। सायं को किशोर घर नहीं पहुंचने पर परिजन परेशान हो गए। परिजनों ने तीनों को काफी तलाश किया लेकिन उनका कोई सुराग नही लग सका। पता नही लगने पर परिजन थाने पहुंचे। थाना प्रभारी निरीक्षक रवि भूषण शर्मा ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर टीम गठित कर किशोरों की संभावित लोकेशन पर रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर तलाश किया। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से तीनों गायब किशोरों को रेतिया बाजार के पास से सूचना के चार घण्टे बाद सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

अनियंत्रित ई-बस की टक्कर से ऑटो और बाइक सवार घायल

कार्यालय प्रतिनिधि

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली वृंदावन क्षेत्र के गौरांग पेट्रोल पंप के सामने उस समय अफरा-तफरी मच गई जब नगर विकास विभाग द्वारा संचालित एक अनियंत्रित इलेक्ट्रिक बस अचानक सामने चल रहे वाहनों में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि कई वाहन आपस में भिड़ गए जिससे सड़क पर लंबा जाम लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मथुरा से वृंदावन की ओर जा रही ई-बस

हादसे में घायल युवकों को अस्पताल भेजती पुलिस।

अचानक बेकाबू हो गई और उसने पहले एक ऑटो को टक्कर मारी फिर आगे चल रहे बाइक सवार को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बाइक सवार भी बुरी तरह जख्मी हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को सड़क से हटाया। सूचना पर मौके पर पहुंची वृंदावन पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद बस का चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए जिनकी तलाश में पुलिस जुट गई है।

राधानगर क्षेत्र के जर्जर तार बदलने से विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

यूनिक समय, मथुरा। राधानगर फीडर के जर्जर 15 अक्टूबर को तारों को बदला जाएगा। इसके कारण सुबह 8 बजे से दोपहर के 1 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि राधा नगर, मधुवन होटल, हरि नगर नाला, लक्ष्मी नगर, शास्त्री नगर, बैंक कॉलोनी आदि क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बाधित होगी।

मथुरा में चिकित्सकों के लिए वैज्ञानिक सत्र

यकृत-गैस्ट्रिक और सिर व गर्दन के कैंसर पर चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। आईएमए मथुरा ने गुरुग्राम के मेंदाता हॉस्पिटल के सहयोग से स्थानीय होटल में सामान्य यकृत-गैस्ट्रिक समस्याओं और सिर व गर्दन के कैंसर की सर्जरी पर वैज्ञानिक सत्र का आयोजन किया। इसमें वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बीमारियों, उनके उपचार, नई तकनीक और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा के नुकसान पर विस्तृत जानकारी दी। सीएमई (सतत मेडिकल शिक्षा) कार्यक्रम के माध्यम से चिकित्सकों को स्वास्थ्य शिक्षा एवं नई जानकारियों से अपडेट किया जाता है। वैज्ञानिक सचिव डॉ. ज्योति अग्रवाल ने अतिथि वक्ता डॉ. पवन रावल और डॉ. दीपक सरीन का परिचय कराया। विशेषज्ञों ने गैस्ट्रिक समस्याओं में एंटासिड के गलत उपयोग, पैराथाइराइड ग्रंथि और ट्यूमर से जुड़ी जानकारी साझा की। आईएमए अध्यक्ष डॉ. बृजेंद्र तिवारी, सचिव डॉ. गौरव भारद्वाज और अन्य पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की आवश्यकता पर जोर देते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

जिला क्षय रोग अधिकारी ने अनिरूद्धाचार्य से की मुलाकात

भारत सरकार के अभियान की दी जानकारी, मांगा सहयोग

यूनिक समय, मथुरा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने मंगलवार को वृंदावन में स्वामी अनिरूद्धाचार्य महाराज से मुलाकात की और भारत सरकार के मुख्य क्षय रोग अभियान प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की जानकारी साझा की।

उन्होंने जनजागरूकता बढ़ाने और ब्रजवासियों को टीबी से बचाव व इलाज के महत्व के बारे में बताया। स्वामी अनिरूद्धाचार्य महाराज ने अपील की कि टीबी से डरना नहीं, इलाज कराना है, क्योंकि यह रोग पूरी तरह ठीक हो सकता है।

उन्होंने सभी से 'निक्षय मित्र'

स्वामी अनिरूद्धाचार्य से मुलाकात के दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी व अन्य।

बनकर टीबी रोगियों की देखभाल में सहयोग करने और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच एवं उपचार कराने की सलाह दी। सभी सेवाएं निशुल्क उपलब्ध हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी ने कहा कि धर्मगुरुओं

स्वामी अनिरूद्धाचार्य ने टीबी से डरने के बजाय इलाज कराने की अपील की

का समर्थन अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाएगा। धार्मिक कार्यक्रम और सोशल मीडिया के माध्यम से ब्रजवासियों को जागरूक करने का समन्वय जारी है। कार्यक्रम में समन्वयक आलोक तिवारी, वरिष्ठ अखिलेश तिवारी और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

"बोलती तस्वीर"

भारतीय संस्कृति में आस्था

संतान प्राप्ति के लिए राधाकुंड में स्नान और ईश्वर की स्तुति करती विदेशी महिलाएं। फोटो क्लिक :यूनिक समय

आपके सूखे होंठ दे सकते हैं गंभीर बीमारी का संकेत!

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिसका असर त्वचा से लेकर होंठों तक दिखाई देता है। सूखे और फटे होंठ इस मौसम में आम समस्या बन जाती है, लेकिन अगर यह परेशानी बार–बार हो रही है या लगातार बनी हुई है, तो इसे नजरअंदाज करना ठीक नहीं। सबसे सामान्य कारण है डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी। जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं होता तो त्वचा की नमी भी कम हो जाती है और इसका असर होंठों पर सबसे पहले दिखता है। गर्मियों में पसीना अधिक आता है जिससे शरीर का पानी तेजी से कम होता है।

अगर पानी की कमी पूरी करने के बाद भी होंठ सूख रहे हैं तो यह विटामिन बी–2, बी–12, विटामिन सी और आयरन की कमी का संकेत हो सकता है। विटामिन बी–12 की कमी से तंत्रिका तंत्र प्रभावित होता है, जिससे भूलने की समस्या, भ्रम और थकान जैसी परेशानियां हो सकती हैं। विटामिन सी की कमी से स्कर्वी नामक बीमारी हो सकती है जिसमें मसूड़ों से खून आना और त्वचा पर लाल धब्बे जैसे लक्षण होते हैं। आयरन की कमी से एनीमिया यानी खून की कमी हो सकती है, जिसका लक्षण होंठों का सूखना भी हो सकता है। इन पोषक तत्वों की कमी के कारण केवल होंठ ही नहीं, शरीर की संपूर्ण कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्मियों में कुछ लोगों को बार–बार जीभ से होंठों को गीला करने की आदत होती है, जिससे स्थिति और भी खराब हो सकती है।

जीभ की लार जल्दी सूख जाती है और नमी को छीन लेती है, जिससे होंठों पर पपड़ी जमने लगती है। गर्म हवाएं और धूप में अधिक देर तक रहना भी होंठों को नुकसान पहुंचाता है। बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि खुद को हाइड्रेट रखें। दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और फलों का रस, नारियल पानी या छाछ जैसे तरल पदार्थ लें। विटामिन बी–2 के लिए दूध, दही, अंडा और हरी सब्जियां खाएं। विटामिन बी–12 की पूर्ति के लिए अंडा, मछली, दूध और चीज़ उपयोगी हैं। विटामिन सी के लिए नींबू, संतरा और आंवला फायदेमंद हैं। आयरन के लिए पालक, चुकंदर और अनार का सेवन करें। अगर घरेलू उपायों के बाद भी राहत न मिले तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें, क्योंकि यह किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या का शुरुआती संकेत हो सकता है।

चटपटे चाट मसाले के साथ खाएं खीरा कई गुना बढ़ जाएगा स्वाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोग खीरा खाना काफी ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन आपको एक बार खीरा और ककड़ी को नमक या फिर बाजार में मिलने वाले चाट मसाले के साथ नहीं, घर पर बनाए गए इस चटपटे चाट मसाले के साथ जरूर खाकर देखना चाहिए।

खीरा और ककड़ी जैसे हाइड्रेटिंग फूड आइटम्स का सेवन करना आपकी सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। लोग खीरे के स्वाद को बढ़ाने के लिए इनके ऊपर चाट मसाला बुरक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप घर पर भी बहुत आसानी से चाट मसाला बना सकते हैं? आइए चटपटा चाट मसाला बनाने की आसान रेसिपी के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

घर पर चाट मसाला बनाने के लिए सबसे पहले साबुत धनिया, जीरा, अजवाइन, पुदीना, काला नमक, सूखी मिर्च, अमचूर निकाल लीजिए। आपको इन सभी मसालों को हल्की आंच पर अच्छी तरह से भून लेना है। अब भुने हुए इन मसालों को ठंडा होने दीजिए।

इसके बाद मिक्सर में भुने हुए मसालों को डाल दीजिए और फिर इन्हें पीसकर बारीक पाउडर तैयार कर लीजिए। अब आप इस चाट मसाले के स्वाद का लुत्फ उठा सकते हैं। महज कुछ ही मिनटों में आपका चटपटा चाट मसाला बन जाएगा।

सलाद–फलों के साथ भी कर सकते हैं सेवनः आप इस चटपटे चाट मसाले को न केवल खीरा के साथ बल्कि खाने की किसी भी चीज के साथ कंज्यूम कर सकते हैं। सलाद में इस चाट मसाले को मिक्स करके खाया जा सकता है। फलों के साथ भी इस चटपटे चाट मसाले का सेवन किया जा सकता है। कुल मिलाकर घर पर बनाए गए इस चाट मसाले का टेस्ट मार्केट में मिलने वाले चाट मसाले से कई गुना बेहतर साबित होगा। हालांकि, आपको इस चाट मसाले को लिमिट में रहकर ही कंज्यूम करना चाहिए।

चाट मसाले को स्टोर करने का तरीका : इस चाट मसाले को स्टोर करने के लिए किसी भी एयर टाइट कंटेनर का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मसाले को एयर टाइट कंटेनर में रखने की वजह से इसके अंदर नमी पैदा नहीं होगी और इसे लंबे समय होने से बचाया जा सकेगा।

राजस्थान की पांच झीलों की सैर से मिलेगा शांति का अनूठा अनुभव

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान को अक्सर उसके भव्य किलों और महलों के लिए जाना जाता है, लेकिन यह राज्य केवल रेगिस्तान, हवेलियों और शाही विरासत तक ही सीमित नहीं है। यहां की शांत और सुरम्य झीलें भी उतनी ही खास हैं, जो पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य, शांति और आध्यात्मिकता का अनूठा अनुभव देती हैं। अगर आप राजस्थान की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो इन पांच प्रमुख झीलों को अपनी बकेट लिस्ट में जरूर शामिल करें।

उदयपुर को झीलों का शहर कहा जाता है और पिछोला झील इसकी शान है। यह झील चारों ओर से पहाड़ियों, घाटों और महलों से घिरी हुई है। झील के बीच स्थित लेक पैलेस और जग मंदिर इसकी सुंदरता को और बढ़ाते हैं। सूर्यास्त के समय यहां नौका विहार का अनुभव अविस्मरणीय होता है।

अजमेर में स्थित यह कृत्रिम झील 12वीं सदी में बनाई गई थी।

अरावली की पहाड़ियों से घिरी यह झील खास तौर पर सुबह और शाम के समय बेहद मनोहारी दृश्य प्रस्तुत करती है। झील के किनारे सैर करना और ठंडी हवा का आनंद लेना बेहद सुकूनदायक अनुभव है।

जैसलमेर के पास स्थित यह ऐतिहासिक झील प्राचीन समय में पानी का प्रमुख स्त्रोत थी। झील के चारों ओर बनी छतरियां, मंदिर और पुराने द्वार इसकी ऐतिहासिक गरिमा को दर्शाते हैं। यहां बोटिंग का आनंद भी लिया जा सकता है।

पुष्कर झील धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

इसे हिंदुओं के प्रमुख तीर्थस्थलों में गिना जाता है। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी ने यहां यज्ञ किया था, इसलिए यहां ब्रह्मा मंदिर भी स्थित है। यहां 52 घाट और सैकड़ों मंदिर हैं, जहां श्रद्धालु पूजा–अर्चना करते हैं।

बूंदी की इस झील की खूबसूरती इसके केंद्र में स्थित वरुण देव के मंदिर से और बढ़ जाती है।

झील का शांत पानी आसपास की बावड़ियों और स्थापत्य कला के साथ मिलकर एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

राजस्थान का यह जलमय पहलू निश्चित ही आपकी यात्रा को और भी यादगार बना देगा। अगली बार जब राजस्थान जाएं, तो इन झीलों की सैर करना न भूलें।

सुविचार

मन ही बंधन और मुक्ति का कारण है।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	11:09-10:34 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पुष्य	11:54-12:00 तक	माह	कार्तिक
सूर्योदय		6:23 AM	चन्द्रोदय	12:26 AM
सूर्यास्त		5:46 PM	चंद्रास्त	02:28 PM
सूर्य राशि		कन्या राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	12:05PM –01:30PM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अहमद शाह अब्दाली की सेना ने 650 साल पहले गोकुल पर किया था हमला

जब नागा साधुओं ने अकेले बचाई थी कृष्ण की नगरी

यूनिक समय, मथुरा। आज से लगभग 650 साल पहले, कृष्ण की नगरी गोकुल को लेकर इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना हुई थी, जिसने इस पवित्र नगर की सुरक्षा सुनिश्चित की। गोकुल, हमेशा से मंदिरों और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध रहा है। इतिहासकार बताते हैं कि जब यहां के मंदिरों की संपत्ति और दान–पेटियां आक्रांताओं की नजर में आईं, तब भी गोकुल ने अपनी पवित्रता और संस्कृति को बनाए रखा।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इतिहास के पन्नों के अनुसार, उस समय अफगानिस्तान से अहमद शाह अब्दाली गोकुल पर आक्रमण करने आया था। उनके साथ एक बड़ा दल था, और इस सेना के एक प्रमुख कमांडर का नाम था सरदार खान। सरदार खान ने बड़े पैमाने पर सैनिकों के साथ गोकुल पर हमला करने की योजना बनाई। उसका इरादा था कि गोकुल के मंदिरों और दान–पेटियों को लूटकर अफगानिस्तान ले जाया जाए।

लेकिन सरदार खान की यह योजना तब विफल हो गई जब उन्हें गोकुल के नागा साधुओं ने चुनौती दी। उस समय मंदिरों में कुछ नागा साधु एक धार्मिक सम्मेलन के लिए इकठ्ठा हुए थे। यह जत्था संख्या में कम था, लेकिन साहस और आत्मविश्वास में विशाल था। साधु पूर्ण रूप से प्रशिक्षित और मानसिक रूप से दृढ़ थे।

इतिहासकारों के अनुसार, यह छोटा सा नागा साधु जत्था सरदार खान की पूरी सेना से भिड़ गया।

युद्ध भले ही असमान संख्या में हुआ, लेकिन साधुओं की वीरता और रणनीति ने आक्रांताओं की योजना को नाकाम कर दिया। इस लड़ाई में अधिकांश साधु मारे गए, लेकिन उनके अदम्य साहस और समर्पण ने गोकुल को बचा

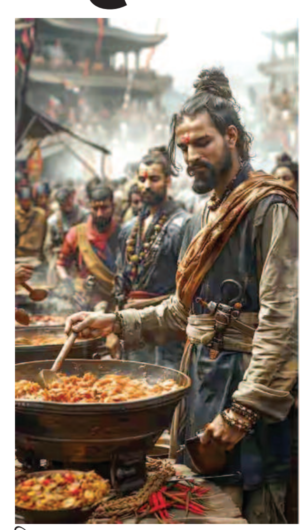

लिया।

विशेषज्ञ बताते हैं कि प्रत्येक साधु ने अपने जीवन की कीमत चुकाई, लेकिन उनकी वीरता ने यह संदेश दिया कि धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की रक्षा के लिए कोई भी बल असफल नहीं हो सकता।

यह घटना गोकुल के इतिहास में एक प्रेरणादायक अध्याय के रूप में दर्ज है।

आज भी गोकुल की धार्मिक धरोहर सुरक्षित है और यह नागा साधुओं की वीरता का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय लोग और इतिहासकार इसे श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करते हैं। यह घटना साबित करती है कि गोकुल की संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए साधु और स्थानीय जनता ने हमेशा एकजुटता दिखाई है।

संक्षेप में, 650 साल पहले का यह संघर्ष केवल एक लड़ाई नहीं थी, बल्कि यह गोकुल की धार्मिक पहचान और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा की कहानी है। इस वीरता ने यह सुनिश्चित किया कि गोकुल आज भी पवित्र नगरों में शुमार हो और कृष्ण की नगरी के रूप में प्रसिद्ध रहे।

धन, नींद और ऊर्जा पर असर डालती हैं आपकी सोने की आदतें!

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति और शास्त्रों में दिनचर्या से जुड़ी हर बात का विशेष महत्व बताया गया है – चाहे वह जागने का समय हो, भोजन का तरीका या फिर सोने की आदतें। सोने से पहले की कुछ छोटी–छोटी बातें भी हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालती हैं। ऐसी ही एक चर्चा है – क्या निर्वस्त्र होकर सोना शुभ है या अशुभ?

शास्त्रों में शरीर की मर्यादा और पवित्रता का विशेष ध्यान रखने की बात कही गई है। पूर्णतः निर्वस्त्र होकर सोना अपवित्र माना गया है, खासकर यदि आप घर में मंदिर या पूजा स्थान के पास सोते हैं। यह न केवल अशुभ माना जाता है बल्कि इससे घर में

नकारात्मक ऊर्जा भी प्रवेश कर सकती है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से निर्वस्त्र होकर सोने के कुछ लाभ भी बताए गए हैं, जैसे शरीर का तापमान नियंत्रित रहना, नींद की गुणवत्ता में सुधार, और त्वचा को खुलकर सांस लेने देना। लेकिन यह तभी उचित है जब सोने का स्थान सुरक्षित, स्वच्छ और निजी हो।

कुछ बातें ऐसी भी हैं जो सोने से पहले भूलकर भी नहीं करनी चाहिए। गंदे कपड़ों में सोना नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। बाल गीले रखकर सोने से सर्दी–जुकाम और सिरदर्द की समस्या हो सकती है। बिस्तर के पास झाड़ू रखना वास्तु दोष पैदा करता है और धन हानि का कारण बन सकता है। सोने से पहले लड़ाई–झगड़ा करने से मन की शांति भंग होती है और नींद प्रभावित होती है। साथ ही, सोते समय सिर उत्तर दिशा में नहीं रखना चाहिए क्योंकि यह दिशा यम की मानी जाती है, जिससे मानसिक और आध्यात्मिक हानि हो सकती है।

इसलिए सोने से पहले शारीरिक और मानसिक पवित्रता बनाए रखना बेहद ज़रूरी है। यदि आप निर्वस्त्र होकर सोते हैं, तो यह निजी आराम की दृष्टि से ठीक हो सकता है, लेकिन धार्मिक दृष्टिकोण से यह त्याज्य है। इन छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखकर जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को आमंत्रित किया जा सकता है।

ब्रज भ्रमण–88

ब्रज की यात्रा करें यूनिक समय के साथ

गिरिराज पर्वत पर दर्शन : कृष्ण लीला और पवित्र शिलाओं की अनोखी छाप

यूनिक समय, मथुरा। गिरिराज पर्वत पर भगवान श्रीकृष्ण की लीला और पवित्र शिलाओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय इतिहास और गर्ग संहिता के अनुसार, यह पर्वत द्वापर युग से जुड़ा हुआ है और यहां की कई शिलाएं भगवान के चरणों, हाथ–पांव और लीला के संकेतों से भरी हुई हैं। स्थानीय निवासी अमर सिंह और राम प्रसाद जादौन ने बताया कि पर्वत की विभिन्न शिलाओं पर ऐरावत हाथी के पांव, कनुआ की उंगलियों के निशान, और कई जगह शिवलिंग की आकृतियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। गर्ग संहिता के सातवें अध्याय में वर्णित है कि मुयुद्ध

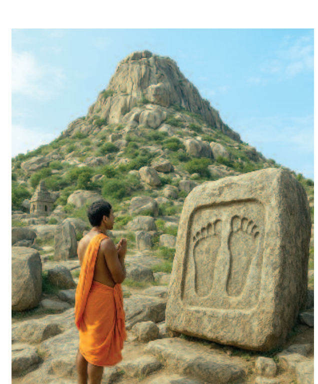

के मुकुट का स्पर्श पाकर गिरिराज की शिला विशेष प्रकार की दिव्यता से उज्जवल हो जाती है। इसे देखने से श्रद्धालुओं का हृदय और मन पवित्रता से परिपूर्ण हो जाता है। शाम के समय, गिरिराज गोविंद अभिषेक मुष्ठारबिंद में आयोजित होता है, जहां भगवान के दर्शन करने से श्रद्धालुओं को अत्यंत आध्यात्मिक अनुभव होता है। मंदिर परिसर में राजेश कौशिक सहित स्थानीय लोग पूजा और अभिषेक की व्यवस्था में जुटे रहते हैं। विशेष रूप से दही, माखन और पुष्प अर्पित करने की परंपरा यहां सदियों से चली आ रही है। पर्वत पर स्थित एक शिला पर हाथों के निशान और फिसलन स्थल भी हैं, जो इतिहास प्रेमियों और तीर्थयात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। गर्ग संहिता के चौथे अध्याय में वर्णित है कि गिरिधारी का अभिषेक संपन्न होने पर पर्वत पर हर्ष और आनंद की ऊर्जा फैल जाती है। भगवान स्वयं इस पर्वत पर प्रसन्न होकर अपनी छाया कमल की तरह प्रतिपन्न करते हैं। गिरिराज पर्वत न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसकी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक शिलाएं भी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। श्रद्धालु यहां न केवल भगवान के दर्शन करते हैं, बल्कि आध्यात्मिक शांति और मानसिक आनंद का अनुभव भी प्राप्त करते हैं। इस प्रकार, गिरिराज पर्वत आज भी पवित्र तीर्थ और ऐतिहासिक स्मारक के रूप में अपनी महिमा बनाए हुए है, जहां हर वर्ष सैकड़ों लोग भगवान की लीला और शिलाओं के दर्शन के लिए आते हैं।

सम्पादकीय

प्रतिभा पलायन की बढ़ती रफ्तार

देश में आइआइटी से जुड़ी वर्ष 2010 से अब तक की ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली है। यह इसलिए भी गंभीर है क्योंकि रिपोर्ट बताती है कि हर साल भारत दस हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर जिन आईआईटी इंजीनियरों को तैयार कर रहा है, उनका पूरा लाभ देश को नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि लाभ अधिकतर विदेशी कंपनियों और देशों को मिल रहा है, जो लगातार भारतीय प्रतिभाओं को आकर्षित करने में जुटे हैं।

आंकड़े बताते हैं कि शीर्ष 100 में से 62 और शीर्ष 1000 में से 36 प्रतिशत आईआईटीयन अपनी कर्मभूमि विदेशों में बना रहे हैं।

पवन गौतम
संपादक

यह कोई सामान्य प्रवृत्ति नहीं है। प्रतिभा भारत की, प्रशिक्षण भारत का, निवेश भारत का – लेकिन परिणाम का लाभ विदेशों को मिले, तो यह नीति–निर्माताओं और समाज दोनों के लिए गहन चिंता का विषय होना चाहिए।

दरअसल, प्रतिभाओं का पलायन भारत के लिए नया नहीं है, परंतु पिछले डेढ़ दशक में यह प्रवृत्ति और तीव्र हो गई है। केवल आईआईटीयन को दोष देना अनुचित होगा। हमें उन मूल कारणों की खोज करनी होगी, जिनसे ये मेधावी युवा देश छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने एक अहम कारण बताया था – वेतन। उनका कहना था कि इसरो जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में भी बेसिक वेतन मात्र 52 हजार रुपए है। ऐसे में यह अपेक्षा करना कि देश के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियर इसी वेतन में भारत में काम करें, वास्तविकता से परे है। सिर्फ वेतन ही नहीं, बल्कि पदोन्नति के अवसर, कार्यस्थल का वातावरण और अनुसंधान की स्वतंत्रता जैसे पहलुओं की भी गंभीर समीक्षा आवश्यक है। जब दूसरे देश इन्हीं प्रतिभाओं को कई गुना वेतन, शोध सुविधाएँ और सम्मानजनक जीवनस्तर प्रदान करते हैं, तो हमें यह सोचना होगा कि हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते। चीन और सिंगापुर जैसे देशों के उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन्होंने योजनाबद्ध तरीके से अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी प्रतिभाओं को देश में रोके रखा। भारत की परिस्थितियाँ भले भिन्न हों, लेकिन दिशा वही होनी चाहिए – प्रतिभाओं को देश में ही समुचित अवसर और सुविधा प्रदान करना। वर्तमान समय इस बदलाव के लिए उपयुक्त भी है। अमेरिका ने हाल ही में एच–1बी वीज़ा शुल्क को सौ गुना बढ़ाकर एक लाख डॉलर कर दिया है। ब्रिटेन, कनाडा और अन्य देशों में भी भारतीय पेशेवरों के लिए माहौल कठिन होता जा रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में आईआईटीयन और अन्य इंजीनियर अब विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। भारत के पास यह अवसर है कि वह इन प्रतिभाओं को अपने देश में बनाए रखे। सरकार और उद्योग जगत को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहाँ योग्यताधारी युवाओं को सम्मानजनक वेतन, शोध की सुविधा और विकास के अवसर मिलें। जब भारत अपने इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को यह विश्वास दिला पाएगा कि उन्हें यहीं योग्यता के अनुरूप पहचान और सम्मान मिलेगा, तब ही प्रतिभा पलायन की यह कड़ी वास्तव में टूट सकेगी।

नजरिया

भारत की डिजिटल स्वतंत्रता में ज़ोहो का योगदान

महेंद्र तिवारी

भारत की डिजिटल स्वतंत्रता आज सिर्फ तकनीकी प्रगति का विषय नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी है। जिस दौर में डेटा को 'नया तेल' कहा जा रहा है, यह सवाल सबसे अहम हो जाता है कि हमारे देश का महत्वपूर्ण डेटा किसके नियंत्रण में है और हमारी तकनीकी अवसंरचना किन शक्तियों द्वारा संचालित होती है। डिजिटल स्वतंत्रता, जिसे डिजिटल संप्रभुता भी कहा जाता है, का मूल अर्थ है कि कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सूचनाओं, प्लेटफार्म और तकनीकी ढाँचे पर स्वयं नियंत्रण रखे, न कि विदेशी कंपनियों की दया या नीतियों के अधीन रहे। यह केवल एक आर्थिक या राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह भारत की तकनीकी अस्मिता और भविष्य की स्वायत्तता से भी जुड़ा है। भारत में डिजिटल संप्रभुता की अवधारणा ने पिछले दशक में अभूतपूर्व गति पकड़ी है। वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गोपनीयता को मौलिक अधिकार घोषित करने के बाद, देश में डेटा सुरक्षा को लेकर एक व्यापक जनचेतना बढ़ी। इस चेतना के समानांतर, सरकार ने कई निर्णायक पहलें कीं। डेटा लोकलाइजेशन की नीति, और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे आधार, यूपीआई, और डिजिलॉकर ने एक ऐसी मजबूत नींव रखी जिस पर भारत अपना आत्मनिर्भर डिजिटल ढाँचा खड़ा कर सके।

लेकिन यह राह आसान नहीं है। भारत अभी भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गहरी विदेशी निर्भरता रखता है। सेमीकंडक्टर, ऑपरेटिंग सिस्टम, और बड़े क्लाउड प्लेटफॉर्म्स जैसे कोर टेक्नोलॉजी डोमेन अभी भी मुख्य रूप से विदेशी कंपनियों के नियंत्रण में हैं। हाल ही में एक बड़ी घटना, जहाँ एक विदेशी टेक दिग्गज ने एक भारतीय कंपनी की महत्वपूर्ण सेवाएँ अचानक रोक दीं, ने स्पष्ट कर दिया कि अगर विदेशी कंपनियाँ अचानक सेवाएँ बंद कर दें तो देश के महत्वपूर्ण सरकारी और निजी संस्थान कितने असुरक्षित हो सकते हैं। इस संदर्भ में, सरकार का "डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम 2023" एक ऐतिहासिक और दिशासूचक कदम रहा है। यह कानून नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा, उपयोग और अंतर्राष्ट्रीय हस्तांतरण के लिए एक स्पष्ट ढाँचा प्रदान करता है। अधिनियम का एक प्रमुख बिंदु यह है कि यह संवेदनशील डेटा के प्रसंस्करण को देश के भीतर ही किए जाने पर जोर देता है। हालाँकि, इस कानून की आलोचना भी हुई है कि यह सरकार को कुछ मामलों में बहुत अधिक विवेकाधिकार देता है और कंपनियों पर निगरानी की सटीक प्रणाली अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। फिर भी, यह कानून स्पष्ट रूप से यह दिशा तय करता है कि भारत अपने डिजिटल संसाधनों पर नियंत्रण और संप्रभुता चाहता है। अब भारत में डेटा लोकलाइज़ेशन और स्वदेशी क्लाउड की अवधारणाएँ

केवल अकादमिक चर्चाएँ नहीं रहीं, बल्कि एक ठोस नीतिगत अनिवार्यता बन चुकी हैं। बैंकों, पेमेंट गेटवे, और महत्वपूर्ण सरकारी संस्थाओं के लिए भारतीय नागरिकों के डेटा को देश की भौगोलिक सीमाओं के भीतर ही रखना अनिवार्य किया जा रहा है। इसी के साथ, "स्वायत्त क्लाउड" मॉडल विकसित किया जा रहा है, जिसका निर्णय पूरी तरह से भारत के अपने कानूनों और नियमों के अधीन रहेगा। यह केवल डेटा सुरक्षा का सवाल नहीं है, बल्कि यह डिजिटल आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

इस जटिल और चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि में, ज़ोहो जैसी भारतीय कंपनी का उदय और उसका कार्य अत्यंत उल्लेखनीय है। ज़ोहो ने यह साबित किया है कि विश्वस्तरीय, प्रतिस्पर्धी सॉफ़्टवेयर उत्पाद भारत में भी विकसित हो सकते हैं।

ज़ोहो के उत्पाद न केवल कार्यकुशलता और नवाचार में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का मुकाबला करते हैं, बल्कि वे डेटा गोपनीयता और संप्रभुता के मामले में उनसे कहीं अधिक मजबूत रुख अपनाते हैं। ज़ोहो की रणनीति का केंद्रीय स्तंभ डेटा लोकलाइज़ेशन है, और कंपनी अपने भारतीय ग्राहकों का डेटा पूरी तरह से भारत स्थित डेटा सेंटरों में संग्रहित करती है। यह सुनिश्चित करता है कि डेटा भारतीय कानूनों के क्षेत्राधिकार में रहे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ज़ोहो विज्ञापन रहित मॉडल पर काम करती है। इसका अर्थ है कि कंपनी अपने उपयोगकर्ताओं के डेटा को किसी भी विपणन उद्देश्य के लिए बेचती या साझा नहीं करती है। यह एक मूलभूत अंतर है जो ज़ोहो को कई अन्य बड़े तकनीकी प्लेटफॉर्मों से अलग करता है। ज़ोहो के योगदान का एक और अनूठा और प्रेरणादायक आयाम है उसका विकेंद्रीकृत परिचालन मॉडल। ज़ोहो के संस्थापक, श्रीधर वेम्बू, ने जानबूझकर कंपनी के बड़े हिस्से का संचालन तमिलनाडु के ग्रामीण क्षेत्र तेनकासी से करने का निर्णय लिया। यह निर्णय केवल एक व्यापारिक मॉडल नहीं, बल्कि एक दार्शनिक वक्तव्य था। यह मॉडल यह संदेश देता है कि तकनीकी नवाचार, उच्च–गुणवत्ता वाली नौकरी और ज्ञान–विकास केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। तेनकासी मॉडल ने ग्रामीण भारत में रोजगार सृजन और स्थानीय ज्ञान–विकास को बढ़ावा दिया है। ज़ोहो का यह उदाहरण यह भी साबित करता है कि डिजिटल आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल विदेशी विकल्पों का बहिष्कार करना नहीं है, बल्कि एक समानांतर और प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी का निर्माण करना है, जहाँ स्वदेशी कंपनियाँ विश्व स्तर की गुणवत्ता, भरोसे और उच्च गोपनीयता मानकों के साथ खड़ी हो सकें।

ज़ोहो जैसी कंपनियों के प्रयासों के बावजूद, भारत की डिजिटल स्वतंत्रता की राह में अभी भी गहरी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत की तकनीकी निर्भरता हार्डवेयर, चिप निर्माण और ऑपरेटिंग सिस्टम के क्षेत्र में अभी भी बहुत गहरी है। स्वदेशी सॉफ्टवेयर तो विकसित हो रहे हैं, लेकिन उनके पीछे चलने वाले उपकरण, सर्वर, और नेटवर्क अवसंरचना अभी भी काफी हद तक विदेशी तकनीक पर आधारित हैं। ज़ोहो ने स्वयं चिप निर्माण के क्षेत्र में $700 मिलियन का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट शुरू किया था, लेकिन इसे आर्थिक और तकनीकी कठिनाइयों के कारण स्थगित करना पड़ा। यह दिखाता है कि एक सच्चा आत्मनिर्भर तकनीकी ढाँचा तैयार करने के लिए कितनी पूँजी, विशेषज्ञता और दीर्घकालिक, जोखिम लेने वाली दृष्टि की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, डेटा हस्तांतरण के नियमों में अस्पष्टता भी एक चुनौती बनी हुई है। डीपीडीपीअधिनियम के तहत सरकार के पास यह अधिकार है कि वह किन देशों को भारतीय डेटा भेजने की अनुमति दे, लेकिन इसके मानदंड और प्रक्रिया अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डिजिटल संप्रभुता की दिशा में बढ़ते हुए राज्य को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नागरिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के अधिकार सुरक्षित रहें, ताकि यह पहल केवल सरकार के नियंत्रण का माध्यम न बन जाए। भारत को डिजिटल संप्रभुता के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कोर हार्डवेयर में निवेश, डेटा संरक्षण कानूनों में विधायी स्पष्टता और जवाबदेही बढ़ाना, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देना, और डिजिटल कौशल विकास जैसे ठोस कदम उठाने होंगे। साथ ही, भारत को लोकतांत्रिक और समान विचारधारा वाले देशों के साथ तकनीकी साझेदारी स्थापित करनी चाहिए। डिजिटल स्वतंत्रता का लक्ष्य केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता तक सीमित नहीं है; यह भारत की आर्थिक, सामाजिक, और राजनीतिक स्वायत्तता की आधारशिला है। ज़ोहो जैसी कंपनियाँ इस बात का ठोस प्रमाण हैं कि भारत अब केवल एक तकनीकी उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली, नैतिक, और विश्वस्तरीय निर्माता भी बन सकता है। जब सरकार, उद्योग और नागरिक एक साझा दृष्टिकोण से तकनीकी स्वावलंबन की दिशा में काम करेंगे, तो भारत डिजिटल उपनिवेशवाद से मुक्त होकर तकनीकी विश्वगुरु बनने की राह पर अग्रसर होगा। यही डिजिटल स्वतंत्रता का सच्चा अर्थ है – डेटा में अपनी पहचान, तकनीक में अपनी आत्मा, और विकास में अपना नियंत्रण।

विचार विण्डो

शहबाज़ शरीफ की चापलूसी से पाकिस्तान हुआ शर्मसार

नीरज कुमार दुबे

मिस्र के शर्म–अल–शेख में आयोजित गाज़ा शांति सम्मेलन केवल पश्चिम एशिया की राजनीति का मंच नहीं रहा, बल्कि यह दक्षिण एशिया की कूटनीति और नेतृत्व के चरित्र का भी आईना बन गया। जहाँ भारत ने शांति, स्वाभिमान और संप्रभुता का संतुलित उदाहरण प्रस्तुत किया, वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चापलूसी में अपने देश की कूटनीतिक गरिमा को तिलांजलि दे दी।

भारत की ओर से सम्मेलन में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने प्रतिनिधित्व किया। भारत का रुख स्पष्ट था– किसी भी अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता से परे रहकर शांति की दिशा में प्रत्यक्ष बातचीत पर भरोसा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने वक्तव्य में ट्रंप के प्रयासों की "ईमानदारी" की सराहना करते हुए यह कहा कि भारत शांति को किसी व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवता की विजय के रूप में देखता है। भारत ने इस सम्मेलन के माध्यम से विश्व को यह संदेश दिया कि वह अपने सिद्धांतों और संतुलित कूटनीति पर अडिग है।

अमेरिका की मध्यस्थता या किसी तीसरे पक्ष की पहल को अस्वीकार करते हुए भी भारत ने संवाद की राह नहीं छोड़ी– यही उसकी परिपक्व कूटनीति का परिचायक है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सम्मेलन के दौरान कहा– "भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे भारत एक महान देश है।" यह वाक्य केवल शिष्टाचार नहीं था। इसके पीछे गहरे रणनीतिक संकेत छिपे थे। ट्रंप एक ओर भारत और पाकिस्तान दोनों से मित्रवत दिखना चाहते हैं, परंतु उनकी प्राथमिकता अब स्पष्ट रूप से भारत की ओर झुकी हुई है। पहली बात यह कि ट्रंप यह दिखाना चाहते हैं कि उनकी "मध्यस्थता" ने दक्षिण एशिया को युद्ध से बचाया– यह उनकी "विश्व उद्धारक" छवि को चमकाने का प्रयास है। दूसरी बात, मोदी को "मेरा बहुत अच्छा मित्र" कहकर उन्होंने यह संदेश दिया कि भारत अब अमेरिका के लिए केवल सामरिक सहयोगी नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदार बन चुका है।

भारत के संयमित रुख के विपरीत, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ का

व्यवहार वैश्विक मंच पर शर्मिंदगी का कारण बन गया। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जो शब्द कहे, वे केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्मसमर्पण जैसे लगे। शहबाज शरीफ ने सार्वजनिक रूप से कहा– "यदि यह महान राष्ट्रपति न होते तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध में कोई जीवित न बचता। मैं इन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूँ।" यह कथन पाकिस्तान की विदेश नीति की गहराती निर्भरता और उसकी आत्महीनता का प्रतीक था। एक समय अमेरिका से समानता की मांग करने वाला पाकिस्तान आज कृतज्ञता की भाषा में अपनी संप्रभुता को गिरवी रखता दिखाई दिया। पाकिस्तान के लिए यह सम्मेलन एक अवसर था– अपनी स्थिति स्पष्ट करने, शांति की दिशा में ठोस पहल दिखाने और वैश्विक समुदाय में एक जिम्मेदार राष्ट्र की छवि प्रस्तुत करने का। परंतु शहबाज शरीफ ने यह अवसर खो दिया। उनके शब्दों से बार–बार यह झलकता रहा कि वे वॉशिंगटन की कृपा पाने की होड़ में हैं, न कि अपने देश की गरिमा बचाने में। विश्ले षकों का मानना है कि शरीफ की यह अतिशय प्रशंसा दरअसल उनके भीतर की राजनीतिक असुरक्षा का परिणाम है। घरेलू असंतोष, आर्थिक संकट और सेना के बढ़ते दबावों के बीच वह अमेरिकी सहयोग को जीवनरेखा मान बैठे हैं। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा– "यह व्यक्ति इस कार्य में सहायता करेगा, सही है न?", वह वाक्य सुनने में हल्का लग सकता है, लेकिन उसमें गहरी राजनीतिक व्यंग्यात्मकता छिपी थी। वास्तव में यह संकेत था कि अमेरिका अब केवल "मध्यस्थ" नहीं बल्कि "निर्देशक" की भूमिका निभाना चाहता है। शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने कृतज्ञता के ग्रंथ में बदल डाला– यह दृश्य पाकिस्तान की नीतिगत निर्भरता की पराकाष्ठा था।

भारत ने इस पूरे प्रसंग में अपने सिद्धांतों और संयम का परिचय दिया। विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के वक्तव्य पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत "शांति के प्रयासों की सराहना करता है" लेकिन किसी भी विवाद के समाधान के लिए प्रत्यक्ष वार्ता ही एकमात्र मार्ग है। भारत का यह रुख दिखाता है कि वह किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर दूसरों की पहल पर नहीं, बल्कि अपने निर्णयों और मूल्यों पर खड़ा रहता है। यह नीति भारत की "संवाद के साथ संप्रभुता" की अवधारणा को सशक्त बनाती है– जिसमें वार्ता, स्वाभिमान और विवेक तीनों का संतुलन है।

सम्मेलन के इस मंच ने दक्षिण एशिया के दो नेताओं की सोच का अंतर पूरी दुनिया के सामने उजागर कर दिया। जहाँ प्रधानमंत्री मोदी ने गरिमा, संयम और कूटनीतिक परिपक्वता का उदाहरण प्रस्तुत किया, वहीं शहबाज शरीफ ने व्यक्तिगत प्रशंसा की राजनीति में अपने राष्ट्र की प्रतिष्ठा गिरा दी। मोदी की प्रतिक्रिया में संतुलन और आत्मगौरव झलकता है। उन्होंने किसी की व्यक्तिगत प्रशंसा के बजाय मानवता और शांति पर बल दिया। इसके विपरीत, शरीफ ने जिस प्रकार ट्रंप की अतिशय प्रशंसा की, वह पाकिस्तान के नेतृत्व की आत्मविश्वासहीनता को उजागर करती है। शर्म–अल–शेख सम्मेलन केवल एक शांति वार्ता नहीं थी– यह दक्षिण एशिया के बदलते शक्ति–संतुलन का प्रतीक बन गया। भारत ने यहाँ स्वाभिमान के साथ कूटनीति का चेहरा दिखाया, जबकि पाकिस्तान सहारे की तलाश में भटकता रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वही क्षण था जब भारत ने वैश्विक मंच पर यह सिद्ध कर दिया कि वह अब किसी मध्यस्थता का विषय नहीं, बल्कि निर्णायक पक्ष बन चुका है। शर्म–अल–शेख का यह दृश्य इतिहास में "गाज़ा शांति सम्मेलन" के नाम से दर्ज होगा, लेकिन भारत और पाकिस्तान के लिए इसका अर्थ कहीं अधिक गहरा है। जहाँ भारत ने अपने राष्ट्रीय सम्मान को दृढ़ता से बनाए रखा, वहीं पाकिस्तान ने विदेशी प्रशंसा में अपनी गरिमा खो दी। यह दृश्य हमें याद दिलाता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेताओं की भाषा, उनके चेहरे की मुस्कान और प्रशंसा के शब्द ही यह तय करते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व गरिमा से कर रहे हैं या दासता से। प्रधानमंत्री मोदी की संतुलित प्रतिक्रिया और शहबाज शरीफ की अतिशय प्रशंसा का यह विरोधाभास केवल दो नेताओं की छवि का नहीं, बल्कि दो राष्ट्रों की मानसिकता का भी प्रतीक है– जहाँ भारत आत्मविश्वास और आत्मगौरव से आगे बढ़ रहा है, वहीं पाकिस्तान आज भी परनिर्भरता की छाया में खड़ा है।

रात में जन्म, सुबह नहर में फेंकने आई, पुलिस ने रोका

नवजात बेटी की हत्या की कोशिश,कलयुगी मां गिरफ्तार

यूनिक समय, सुल्तानपुर। एक कलयुगी मां ने मानवता को झकझोर देने वाला कांड किया। सोमवार रात अपनी नवजात बेटी को जन्म देने के बाद, महिला सुबह ही झोले में बच्चे को रखकर हत्या के इरादे से नहर पर जा रही थी। लोगों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण महिला को पकड़ लिया गया। पुलिस ने नवजात को तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के बाबूगंज नहर के पास हुई। जानकारी के अनुसार, शहनाज नामक महिला, जो जमोली गांव की निवासी है, ने ऑटो के जरिए नवजात को नहर के पास ले जाने की कोशिश की। ऑटो चालक के जाने के बाद महिला ने झोला फेंकने का प्रयास किया, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने उसे रोक लिया। सूत्रों के अनुसार महिला की दो शादियां हो चुकी हैं और दोनों तलाक के कारण समाप्त हो गई थीं। पहली शादी आठ साल पहले हुई थी, जिसमें उसने बेटी अनम को जन्म दिया था। दूसरी शादी दो साल पहले हुई थी, लेकिन उसमें भी संबंधों में विवाद और चरित्रहीनता के आरोपों के कारण तलाक हुआ। महिला इस समय अपने मायके में रह रही थी। बताया जा रहा है कि गांव में उसके कई नाजायज संबंध भी चल रहे थे। थाना प्रभारी राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि मामला संज्ञान में है। महिला के खिलाफ हत्या और संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना ने गांव और आसपास के लोगों में खौफ और आश्चर्य पैदा कर दिया है। नवजात की जान नहीं बच सकी, लेकिन लोगों की सतर्कता ने बड़े हादसे को टालने में मदद की।

यह दर्दनाक घटना समाज में महिलाओं और नवजात के प्रति संवेदनशीलता की याद दिलाती है और कानून की सख्ती की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

बरेली बवाल : मौलाना तौकीर की वीडियो पेशी

यूनिक समय, बरेली। फतेहगढ़ जेल में बंद मौलाना तौकीर रजा की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंगलवार को बरेली कोर्ट में पेशी हुई। पुलिस ने तौकीर रजा को बरेली बवाल का मुख्य आरोपी बताया।

कोर्ट ने उसकी 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है और अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।

कोतवाल अमित पांडेय ने बताया कि बवाल से संबंधित सभी मुकदमों में रिमांड मंजूर कर लिया गया है। मौलाना तौकीर को मुख्य आरोपी बनाया गया है जबकि अन्य 10 मुकदमों में वह साजिशकर्ता के रूप में शामिल है। इस मौके पर तौकीर के

न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ी

करीबी नदीम, डॉ. नफीस, नफीस का बेटा और अनीस सकलैनी भी कोर्ट में पेश किए गए।

तौकीर रजा की गिरफ्तारी के बाद बीडीए और नगर निगम ने उनके करीबी और सहयोगियों की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई की। नफीस के बरातघर को ध्वस्त किया गया, चार्जिंग स्टेशन और होटल सील किए गए, साथ ही कई अन्य अवैध संपत्तियां सील की गईं। इस कार्रवाई से शहर में कानून व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

यूपी में लागू होगी व्यापक शहरी पुनर्विकास नीति

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के नगरों के तीव्र विकास को देखते हुए एक व्यापक 'शहरी पुनर्विकास नीति' तैयार करने की आवश्यकता जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति केवल भवनों के पुनर्निर्माण तक सीमित नहीं होगी, बल्कि शहरों के समग्र पुनर्जागरण और सामाजिक संरचनाओं के पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगी। उनके अनुसार, हमारे नगर सिर्फ इमारतों का समूह नहीं हैं, बल्कि जीवंत सामाजिक और सांस्कृतिक संरचनाओं से जुड़े हैं।

मुख्यमंत्री ने आवास विभाग की बैठक में कहा कि नीति का उद्देश्य पुराने, जर्जर और अनुपयोगी क्षेत्रों को आधुनिक शहरी बुनियादी ढांचे, पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकसित करना है। नीति में भूमि पुनर्गठन, निजी निवेश को प्रोत्साहन, पारदर्शी पुनर्वास व्यवस्था और प्रभावित परिवारों की आजीविका सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

योगी ने निवेशकों के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश, प्रोत्साहन और सुरक्षा

सीएम योगी ने दी दिशा–निर्देश

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नीति में हर परियोजना में हरित भवन मानक, ऊर्जा दक्षता और सतत विकास के प्रावधान अनिवार्य किए जाएंगे। नगरों की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक पहचान और पुराने बाजारों, औद्योगिक क्षेत्रों, सरकारी आवास परिसरों व अनधिकृत बस्तियों के लिए क्षेत्रवार रणनीति तैयार की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने भूमि उपयोग के आधार पर शुल्क दरों में अंतर और बाह्य विकास शुल्क की पारदर्शी गणना प्रणाली लागू करने के निर्देश भी दिए। नीति का मसौदा जनप्रतिनिधियों, नगर निकायों और आम नागरिकों के सुझावों के आधार पर अंतिम रूप में तैयार कर शीघ्र मंत्रिपरिषद को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

यूपी के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस का ऐलान

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले खुशखबरी दी है। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए कर्मचारियों को दिवाली बोनस देने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 14.82 लाख कर्मचारियों को यह बोनस उनके बैंक खाते में समयबद्ध रूप से मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है। सरकार का उद्देश्य है कि कर्मचारियों को त्योहारी सीज़न के लिए अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई जाए।

वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मासिक उपलब्धियों की अधिकतम सीमा 7,000 रुपये के आधार पर 30 दिनों का आकलन करते हुए प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 6,908 रुपये का लाभ मिलेगा। यह बोनस वेतन मैट्रिक्स लेवल 8 (47,600–,51,100) तक के कार्मिकों को

अकाउंट में जल्द आएंगे 6,908 रुपये

मिलेगा। राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थान और स्थानीय निकायों के कर्मचारी भी इसका लाभ उठाएंगे।

सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बोनस का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए। इसका वितरण अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में किया जाएगा ताकि दिवाली से पहले कर्मचारियों को राशि मिल सके।

साथ ही, राज्य सरकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत पंजीकृत 1.86 करोड़ महिला लाभार्थियों को एक मुफ्त एलपीजी सिलेंडर रिफिल प्रदान कर रही है। लाभार्थियों को पहले सिलेंडर का भुगतान करना होगा और बाद में राशि सीधे उनके बैंक खाते में लौटाई जाएगी।

इस फैसले से सरकारी कर्मचारियों में उत्साह और प्रशासनिक कार्यों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों के योगदान और निष्ठा को सम्मान देने का उद्देश्य स्पष्ट किया।

सपा ने मुस्कान मिश्रा को पद से हटाया, सदस्यता बरकरार

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मुस्कान मिश्रा को समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव पद से हटा दिया है। मुस्कान मिश्रा को अचानक पद से मुक्त किए जाने की खबर ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा बढ़ा दी है। हालांकि, पार्टी ने स्पष्ट किया है कि यह पद मुक्त करना व्यक्तिगत कारणों से हुआ है और उनकी सदस्यता पार्टी में बरकरार रहेगी।

महिला सभा की अध्यक्ष जूही सिंह ने आदेश जारी कर मुस्कान को पद से मुक्त किया। सूत्रों के अनुसार, मुस्कान मिश्रा ने हाल ही में अयोध्या में महंत राजू दास से मुलाकात की थी, जिसके बाद पद से हटाए जाने की अटकलें चल रही थीं। लेकिन जूही सिंह ने स्पष्ट किया कि मुस्कान ने अपने निजी जीवन के कारण, खासकर शादी की तैयारियों के चलते, स्वयं ही पद से मुक्त होने का अनुरोध किया था। पार्टी के अनुसार, मुस्कान मिश्रा अब भी समाजवादी महिला सभा और समाजवादी पार्टी की सदस्य हैं। पद से मुक्त होने के बावजूद उन्हें पार्टी के अन्य कार्यों में हिस्सा लेने और संगठनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार रहेगा। इस कदम को व्यक्तिगत कारणों से लिया गया माना जा रहा है, न कि किसी अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत।

मुस्कान मिश्रा की सक्रिय भूमिका और आगामी जिम्मेदारियों के मद्देनजर, पार्टी ने यह सुनिश्चित किया है कि उनके योगदान का सम्मान बनाए रखा जाए और संगठन में उनकी स्थिति सुरक्षित रहे।

अयोध्या में दीपोत्सव: राम की पैड़ी पर जलेंगे लाखों दीप

यूनिक समय, लखनऊ। अयोध्या में दीपोत्सव की तैयारियां तेज़ गति से चल रही हैं। इस बार कार्यक्रम का मुख्य आयोजन राम की पैड़ी परिसर में होगा, जहां सरयू नदी की जलधारा के बीच 28 लाख दीप जलाए जाएंगे। दीपोत्सव का मुख्य आकर्षण राम की पैड़ी पर बना सांस्कृतिक मंच होगा, जिस पर कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। दीपोत्सव रामधुन के बीच शुरू होगा, जिससे आगमन का दृश्य अत्यंत अद्भुत होगा।

पर्यटन विभाग के अनुसार, पैड़ी की जलधारा में 100 फीट लंबा मंच बनाया जा रहा है, जिसे चार खंडों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक खंड की उंचाई क्रमशः एक फीट, दो फीट,

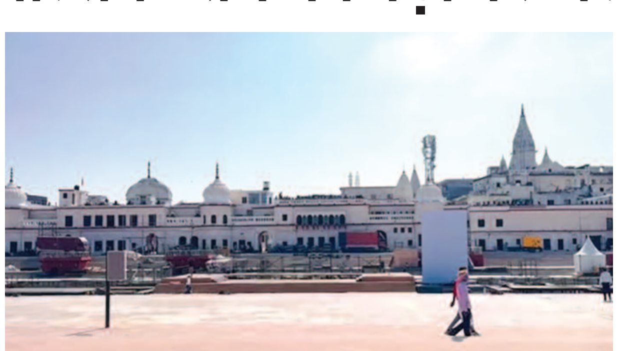

3.5 फीट और पांच फीट रखी गई है। मंच पर विभिन्न राज्यों के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोहेंगे। इस वर्ष दीपोत्सव में दर्शकों के लिए एक खास सरप्राइज भी रखा गया है। राम की पैड़ी में जलधारा के बीच लोहे के एंगल पर प्लेटफार्म तैयार किया गया है, जिस पर मोबाइल ट्रॉलियों पर फाइबर की मूर्तियां विराजमान होंगी। इन ट्रॉलियों के माध्यम से दर्शक रामकथा के प्रमुख प्रसंगों जैसे सीता हरण, जटायु युद्ध, हनुमान की लंका यात्रा, राम–

मंच पर जीवंत होगी रामकथा

लक्ष्मण–सीता की अयोध्या वापसी और राम राज्याभिषेक को जीवंत रूप में देख सकेंगे।

मूर्तियों को चलाने के लिए पावर मोटर सिस्टम लगाया गया है। 17 अक्तूबर तक मंच और ट्रॉलियां पूरी तरह तैयार हो जाएंगी। दीपोत्सव के इस आयोजन से अयोध्या की सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक महत्व का सजीव अनुभव मिलेगा। यह आयोजन न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि रामकथा की शिक्षा और संस्कृति को भी समग्र रूप से प्रस्तुत करेगा।

सार संक्षेप

सांसद राव राजेंद्र सिंह अस्पताल में भर्ती

यूनिक समय, नई दिल्ली। जयपुर ग्रामीण से बीजेपी सांसद राव राजेंद्र सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पावटा (कोटपूतली) के पास तबीयत खराब होने पर पहले स्थानीय अस्पताल और फिर एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया। वह एक अग्निवीर जवान के अंतिम संस्कार में शामिल थे।

भारत-मंगोलिया के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना ने द्विपक्षीय बैठक के बाद भारत और मंगोलिया के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात हैदराबाद हाउस में हुई।

एनडीए में कोई नाराजगी नहीं: दिलीप जयसवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने एनडीए में एकजुटता का दावा करते हुए कहा कि कहीं कोई नाराजगी नहीं है और सब ठीक है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि एनडीए पूरी चट्टानी एकता के साथ चुनाव लड़ेगा।

सीएम आवास के बाहर प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार में जेडीयू द्वारा कुर्था सीट से संभावित उम्मीदवार पप्पू वर्मा को टिकट दिए जाने के विरोध में पूर्व विधायक स्वर्गीय सत्यदेव सिंह की पत्नी रिंकू कुशवाहा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास के बाहर धरने पर बैठ गईं।

चिराग पासवान चंडीगढ़ के लिए रवाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। कैबिनेट मंत्री और एलजेपी नेता चिराग पासवान दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं। वह वहां पूरन कुमार के परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देंगे।

नक्सली ने बीजेपी कार्यकर्ता को मारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुलिस के अनुसार, छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने बीजेपी के एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी है।

राज्यपाल ने सही कहा: सुकांता मजूमदार

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने कोलकाता में राज्यपाल सीवी आनंद बोस के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगातार हो रही घटनाओं पर सरकार को पहल करनी चाहिए, और राज्यपाल ने सही बात कही है।

आरएसएस चीफ 3 दिन के अहमदाबाद दौरे पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत 3 दिन के दौरे पर अहमदाबाद पहुंचेंगे। इस दौरान वह संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

भाजपा की पहली सूची में बिहार के उम्मीदवारों का ऐलान

नौ महिलाओं सहित 71 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए भाजपा ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अंतर्गत सीट बंटवारे के बाद भाजपा ने कुल 71 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित किए। इस सूची में नौ महिलाओं को टिकट दिया गया है। इनमें परिहार से गायत्री देवी, नरपतगंज से देवंती यादव, किशनगंज से स्वीटी सिंह, प्राणपुर से निशा सिंह, कोढ़ा से कविता देवी, औराई से रमा निषाद, वारसलीगंज से अरुणा देवी और जमुई से श्रेयसी सिंह शामिल हैं।

सूची में कई बड़े नेताओं को टिकट मिला है। वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को तारापुर विधानसभा से, मंत्री मंगल पांडेय को सीवान से टिकट दिया गया है। इसके अलावा विजय सिन्हा, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, रेणु देवी, प्रेम कुमार, कृष्ण कुमार ऋषि, नितिन नवीन और वरिष्ठ नेता रामनारायण मंडल को भी चुनावी मैदान में उतारा गया है।

इस बार भाजपा ने कुछ सीटों पर बदलाव किया है। कुम्हरार से निवर्तमान विधायक अरुण सिन्हा की जगह संजय गुप्ता, पटना साहिब से नंद किशोर यादव की जगह रत्नेश कुशवाहा और दानापुर से पूर्व सांसद रामकृपाल यादव को उम्मीदवार बनाया गया है।

टिकट कटने के सवाल पर नंद किशोर यादव ने कहा कि वह पार्टी के निर्णय के साथ हैं और भाजपा ने उन्हें हमेशा सम्मान और अवसर दिया। उन्होंने नई पीढ़ी का स्वागत करते हुए पार्टी का आभार व्यक्त किया।

भाजपा की यह पहली सूची चुनावी रणनीति और महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के मकसद को दर्शाती है। पार्टी ने वरिष्ठ नेताओं और नए चेहरे दोनों को मौका देकर संतुलित सूची तैयार की है। इस सूची में शामिल अधिकांश नाम पहले ही मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आ चुके थे। इससे भाजपा के चुनावी मोर्चे पर पकड़ मजबूत होने की उम्मीद है और राजग को बिहार में बढ़त दिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

आईपीएस वाई पूरन कुमार पर गंभीर आरोप

हरियाणा में साइबर सेल एएसआई की आत्महत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के रोहतक से एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। राज्य की साइबर सेल में तैनात एएसआई ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उन्होंने तीन पृष्ठ का सुसाइड नोट और एक वीडियो संदेश भी छोड़ा, जिसमें उन्होंने आईपीएस वाई पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाए। एएसआई ने अपने सुसाइड नोट में दावा किया कि वाई पूरन कुमार भ्रष्टाचार में लिप्त थे और उनके खिलाफ पर्याप्त प्रमाण मौजूद हैं। उन्होंने लिखा कि पूरन कुमार ने गिरफ्तारी के डर से आत्महत्या की और जातिवाद का सहारा लेकर व्यवस्था को अपने कब्जे में कर लिया। एएसआई ने कहा कि वह अपनी जान देकर जांच की मांग कर रहे हैं और भ्रष्टाचार के आरोपों की सच्चाई सामने आने तक इस परिवार को नहीं छोड़ा जाना चाहिए। यह घटना आईपीएस वाई पूरन कुमार की हाल ही में हुई आत्महत्या के बाद सामने आई है, जिसने पहले ही राज्य में सुर्खियां बटोरी थीं। अब दोहरे घटनाक्रम ने पूरे पुलिस विभाग और जनता में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन आत्महत्या के कारणों और आरोपों की सत्यता स्पष्ट करने के लिए अब विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन में भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाई गई आवाज को दबाने की यह गंभीर चेतावनी है। राज्य सरकार और पुलिस विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। रोहतक के इस मामले ने न केवल पुलिस विभाग बल्कि आम जनता में भी चिंता बढ़ा दी है। एएसआई द्वारा छोड़ा गया वीडियो संदेश और सुसाइड नोट जांचकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण प्रमाण हैं। अब हर निगाह इस पर टिकी है कि सरकार और पुलिस विभाग इस मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित कर पाएंगे या नहीं।

कुपवाड़ा: 12 घंटे की मुठभेड़ में ढेर हुए दो आतंकी

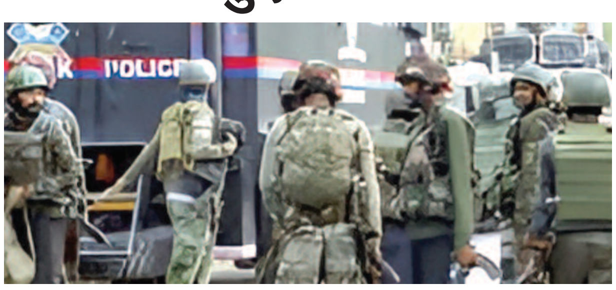

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने 12 घंटे चले ऑपरेशन में 2 आतंकियों को मार गिराया। ये वही कुपवाड़ा है जिसे "अखरोट का गढ़" कहा जाता है। 2024 में इस जिले में रिकॉर्ड 30,894 मीट्रिक टन अखरोट का उत्पादन हुआ।

कुपवाड़ा की ऊंचाई समुद्र तल से 5,000 से 8,000 फीट तक है, जिससे यहां की जलवायु अखरोट की खेती के लिए परफेक्ट मानी जाती है। उपजाऊ मिट्टी, बेहतर किस्म के बीज और स्थानीय लोगों की घरेलू नर्सरी ने इस क्षेत्र को अखरोट का गढ़ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है।

कुपवाड़ा में अखरोट सिर्फ पैदावार का जरिया नहीं है, बल्कि इससे स्थानीय लोगों की आमदनी भी जुड़ी है। अखरोट की लकड़ी से नक्काशीदार फर्नीचर तैयार किया जाता है, जिससे व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिलता है। जिले के सोगाम और जिरहामा में हाई-टेक अखरोट केंद्र और प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित की गई हैं, ताकि उत्पादन और प्रोसेसिंग की क्षमता बढ़ सके।

हालांकि, मार्केटिंग, पर्यावरण और कीट-पशु संबंधी चुनौतियों ने अखरोट की खेती पर असर डाला है, फिर भी कुपवाड़ा अखरोट के उत्पादन और इससे बने उत्पादों में पकड़ बनाए हुए है। यही वजह है कि कुपवाड़ा को "वॉलनट सिटी" कहा जाता है।

एडीजीपी वाई पूरन कुमार के मामले में राहुल गांधी ने परिवार से मुलाकात कर मांगा तत्काल एक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरण कुमार के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को चंडीगढ़ में परिवार से मिले और करीब 50 मिनट तक उनसे बातचीत कर सांत्वना दी।

राहुल गांधी ने हरियाणा सरकार और प्रधानमंत्री से अपील की कि आरोपियों को गिरफ्तार कर परिवार को न्याय दिलाया जाए और मामले को तमाशा बनाने से रोका जाए।

पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ एक परिवार का मामला नहीं है। दलितों को प्रताड़ित करना गलत है और सिस्टम के आधार पर कई वर्षों से भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कई अधिकारी अपनी ताकत और पद का इस्तेमाल कर दूसरों के करियर को बर्बाद कर रहे हैं।

राहुल ने कहा कि देश में करोड़ों दलित भाई-बहन हैं और उन्हें गलत संदेश नहीं जाना चाहिए कि वे सफल होने के बावजूद दबाए जा सकते हैं।

12 अधिकारियों पर आय से अधिक संपत्ति पर छापेमारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक में लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार को एक बड़ा अभियान चलाते हुए 12 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों पर आय से अधिक संपत्ति बनाने का आरोप है। छापेमारी के दौरान उनकी संपत्तियों, बैंक डिटेल और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड जुटाए जा रहे हैं।

इन अधिकारियों में बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के भूमि अधिग्रहण प्रभाग के एक सर्वेक्षक समेत कई अन्य सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। लोकायुक्त सूत्रों के अनुसार, हासन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रथम श्रेणी सहायक ज्योति मैरी, कलबुर्गी में कृषि विभाग के सहायक निदेशक धूलप्पा, चित्रदुर्ग में कृषि विभाग के सहायक निदेशक चंद्र कुमार के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई।

इसके अलावा उडुपी में परिवहन विभाग के सड़क परिवहन अधिकारी लक्ष्मीनारायण पी नायक, बेंगलुरु में मल्लासांद्रा मैटरनिटी अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी मंजुनाथ जी और दावणगेरे में कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास लिमिटेड के सहायक कार्यकारी इंजीनियर जगदीश नाइक के ठिकानों पर भी टीम ने छापा मारा। लोकायुक्त की टीम ने सुबह से ही छापेमारी शुरू की और अधिकारियों के दस्तावेजों, संपत्तियों और बैंक खातों की जांच की जा रही है। अधिकारियों की संपत्ति और वित्तीय रिकॉर्ड को लेकर व्यापक जानकारी जुटाई जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी सरकारी अधिकारी ने अपनी आय से अधिक संपत्ति बनाई तो उस पर कार्रवाई की जा सके।

इस अभियान का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों में जवाबदेही बढ़ाना और भ्रष्टाचार को रोकना है। छापेमारी से स्पष्ट संदेश गया है कि राज्य सरकार और लोकायुक्त भ्रष्टाचार के मामलों में शून्य सहनशीलता रखते हैं। मामले की जांच जारी है और अधिकारियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की संभावना है।

हिजाब पहनकर पहुंची छात्रा को स्कूल में प्रवेश से रोका

विवाद बढ़ने पर दो दिन की छुट्टी घोषित

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के कोच्चि में ईसाई समुदाय द्वारा संचालित एक निजी स्कूल में आठवीं कक्षा की छात्रा के हिजाब पहनने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। छात्रा को स्कूल में प्रवेश देने से रोक दिया गया क्योंकि अधिकारियों का कहना था कि हिजाब उनके 'ड्रेस कोड' का उल्लंघन करता है। स्कूल ने छात्रा को हिजाब उतारने के लिए मजबूर किया। घटना के बाद छात्रा ने कहा कि शिक्षक असभ्य थे और वह ऐसे माहौल में पढ़ाई नहीं करना चाहती।

विवाद तेजी से बढ़ा और अभिभावकों सहित अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) भी इसमें शामिल हो गया। पीटीए के एक अधिकारी ने आरोप लगाया कि कुछ अभिभावकों का समर्थन इस्लाम समर्थक राजनीतिक संगठन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से है और वे स्कूल अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे थे, जिनमें ज्यादातर नन थीं। एसडीपीआई ने अब तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस विवाद के चलते स्कूल की प्रधानाचार्य सिस्टर हेलेना आरसी ने सोमवार और मंगलवार के लिए छुट्टियों की घोषणा की। उन्होंने पत्र में लिखा कि बिना निर्धारित वर्दी के आने वाली छात्रा, उसके माता-पिता और कुछ बाहरी लोगों के दबाव के कारण मानसिक तनाव उत्पन्न हो गया। पीटीए के सदस्यों के परामर्श के बाद 13 और 14 अक्टूबर को अवकाश घोषित किया गया। पीटीए के सदस्य जोशी कैथावलप्पिल ने बताया कि स्कूल पिछले 30 वर्षों से एक ड्रेस कोड का पालन करता रहा है और सभी समुदाय के छात्र इसे मानते आए हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में छात्रा के माता-पिता ने सिर ढककर भेजने पर जोर दिया और समूह के साथ स्कूल पहुंचे, जिससे छात्रों और शिक्षकों में डर

फेमस कॉमेडियन राजू तालिकोटे का निधन

शूटिंग के दौरान हुआ हार्ट अटैक

यूनिक समय, नई दिल्ली। कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन राजू तालिकोटे का 62 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी तबीयत अचानक शूटिंग के दौरान बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि राजू को दिल का दौरा पड़ा। राजू तालिकोटे ने अपने करियर में 20 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया और खासतौर पर कॉमिक रोल्स के लिए जाने जाते थे। उन्होंने केजीएफ स्टार यश के साथ फिल्म 'राजधानी' में भी काम किया था। पिछले दो दिनों से लगातार शूटिंग कर रहे राजू को तीसरा हार्ट अटैक आया, जो जानलेवा साबित हुआ। उनकी चर्चित फिल्मों में 'पंजाबी हाउस', 'जैकी', 'सुग्रीवा', 'राजधानी', 'अलमारी', 'टोपीवाला' और 'वीरा' शामिल हैं। इंडस्ट्री और फैंस उनके अचानक निधन से गहरे सदमे में हैं। राजू तालिकोटे अपने शानदार हास्य अभिनय और विनम्र स्वभाव के लिए हमेशा याद किए जाएंगे।

हॉकी प्रतियोगिता में केआर पीजी कॉलेज की टीम विजयी

खेल संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अंतर महाविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता में केआर पीजी कॉलेज की टीम ने बीएसए पीजी कॉलेज की टीम को फाइनल में हराया। मंगलवार को डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा की अंतर महाविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन एनडीए कॉलेज एंड साइंस टेक्नोलॉजी आगरा की ओर से आयोजित किया गया। इसमें कुल 6 टीम कृष्णा कॉलेज, बीएसए कॉलेज मथुरा, केआर कॉलेज मथुरा, कृष्णा कॉलेज आगरा, मनोरमा इंस्टिट्यूट, बीडी जैन आगरा और मनोरमा कॉलेज आगरा ने प्रतिभाग किया। पहले मैच में केआर पीजी कॉलेज ने सेमीफाइनल में मनोरमा कॉलेज को 4-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद फाइनल में भी केआर पीजी कॉलेज मथुरा ने बीएसए कॉलेज को 2-0 से हराकर लगातार 7 वी बार ट्रॉफी पर कब्जा किया। बताया गया कि चयनित सभी खिलाड़ी जनवरी माह की द्वितीय सप्ताह में आयोजित स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी सोनीपत हरियाणा में हॉकी चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगे। इस प्रतियोगिता में केआर पीजी कॉलेज मथुरा की तरफ से प्रिया धनगर, लक्ष्मी गौतम, पूजा, क्रांति, पूजा पचौरी, मोहिनी, रचना, पिंकी, राधिका पाल, आशिकी ने अच्छा प्रदर्शन किया। इस दौरान डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के खेल प्रभारी निदेशक डॉ. अखिलेश चंद सक्सेना ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस मौके पर केआर पीजी कॉलेज प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल, केआर टीटी कॉलेज के प्राचार्य कुलविंदर सिंह बग्गा, ओलंपिक संघ के सचिव महेंद्र सिंह राजपूत, कबड्डी संघ के सचिव सुनील श्रीवास्तव, एथलेटिक संघ के सचिव जय सिंह, माध्यमिक शिक्षा खेल प्रभारी डॉ. पदम सिंह कौन्तेय, बृजेश कौशिक, हरपाल यादव, सर्विस सोलंकी, देवेश यादव, बलभद्र हरदेव, राहुल कुंतल, संदीप, योगेश शर्मा, लोकेश गौतम, मोहित, संदीप, ध्रुव, प्रशांत चौधरी, हिमांशु मेहरा, सिमरन एवं नेहा ने बधाई दी।

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रमनलाल स्कूल के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

विजयी खिलाड़ी स्कूल के प्रधानाचार्य व अन्य पदाधिकारियों के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी एम्प्लॉइज क्लब टाउनशिप में आयोजित 41वीं जिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता में रमनलाल शोरावाला पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। इस उपलब्धि से विद्यालय और पूरे जनपद का गौरव बढ़ा। प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन एवं ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। स्वर्ण पदक साक्षी, आस्था और गौरनेश शर्मा ने जीते, जबकि भूमि, आराध्या गुप्ता, मीनू, दर्शना, भूमिका, कृष्णप्रिया, अंशुल गवार, शिवराज, जयंत चाहर, जय भरंगर और अशुतोष चतुर्वेदी ने कांस्य पदक प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों का विद्यालय प्रांगण में फूलमालाओं और तालियों के साथ भव्य स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य एवं प्रबंधन समिति ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता की राह खोलेगी।

गोवर्धन विद्यापीठ के छात्रों ने ताइक्वांडो में जीते 19 पदक

मेडलों के साथ विजयी खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी एम्पलाइज क्लब में आयोजित दो दिवसीय 41वीं डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गोवर्धन क्षेत्र के गोवर्धन विद्यापीठ के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 पदक अपने नाम किए। इसमें दो स्वर्ण, नौ रजत और आठ कांस्य पदक शामिल हैं। ताइक्वांडो कोच याशिका गौतम (ब्लैक बेल्ट) और टीम प्रबंधक चांदनी ठुकराल के अनुसार, स्वर्ण पदक कुनाल छौंकर और गगन चौधरी ने जीते। रजत पदक नित्यांश जोशी, आर्यन गुर्जर, गौरव, सिद्धांत, शिवानी कुमारी, पुनीत कुमार, अभिनव गौतम, राम चौधरी और चंद्रमोहन सोनी ने प्राप्त किए। कांस्य पदक शशि गुर्जर, शौर्य कौशिक, कृष्णा योगी, प्रेम, तन्मय शर्मा, कृष्णा गुर्जर, कृष्णा योगी, कृष्णा ठाकुर और पंकज सिंह ने जीते। विद्यालय की प्रधानाचार्या राधिका गौतम, प्रबंध निदेशक डॉ. राजेश गौतम और चेयरमैन संभव गौतम ने छात्रों को इस अद्भुत उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

परिक्रमा मार्ग पर हुए तेज धमाके से फैली सनसनी

तीन लोगों के घायल होने की है खबर

पुलिस मामले की जांच में जुटी है

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली वृंदावन क्षेत्र स्थित अटल्ला चौराहा से गौरे दाऊजी मंदिर के बीच परिक्रमा मार्ग पर आज सांय एक जोरदार धमाका हुआ। धमाके के बाद दो तीन लोग घायल हो गए। धमाका किसको लेकर हुआ। इसे लेकर हथगोला फटने और गोलियों चलने के इलाके में चर्चा है। पुलिस इस मामले में पता लगने की कोशिश कर रही है। बताया गया कि परिक्रमा मार्ग पर गौरे दाऊजी मंदिर और अटल्ला चौराहे के बीच सायं को एक तेज धमाके से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई।

वहां मौजूद कुछ लोगों का कहना है कि वहां पर कई युवक खड़े हुए थे। उनके पास हथियार भी थे। वहां अचानक एक तेज धमाका हुआ और दो तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उनके साथी मौके से तुरंत लेकर भाग गए।

इस घटना से इलाके में सनसनी फैली हुई है। जो भी इस घटना के बारे में सुनता है वही जानने की कोशिश कर रहा है।

युवक कौन थे और घायलों को किस अस्पताल में ले गए इस बारे में पुलिस भी जानकारी जुटाने में लगी है।

जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

कुपोषित बच्चों को गोद लें अधिकारी

पोषण समिति की मासिक समीक्षा बैठक में डीएम सीपी सिंह व अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की मासिक समीक्षा बैठक कलक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी ली और विभागवार प्रगति की समीक्षा की। बैठक में कुपोषण उन्मूलन, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण तथा पोषण संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बच्चों का वजन और ऊंचाई मापने के उपकरण प्रत्येक केंद्र पर उपलब्ध कराने तथा आईसीडीएस कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से भेजने को कहा। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत लाभार्थियों के प्रमाणीकरण, पोषण वाटिका, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और वॉल पेंटिंग प्रतियोगिताओं जैसे नवाचारों की समीक्षा की। डीएम ने गर्भवती और धात्री महिलाओं को समय पर पोषाहार वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, पोषण ट्रैकर ऐप पर नियमित डेटा अपडेशन और उसकी मॉनिटरिंग पर भी विशेष जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा, "बच्चों को स्वच्छता और पोषण के प्रति जागरूक करें। कुपोषण को कम करने के लिए सभी अधिकारी कुपोषित बच्चों को गोद लें और उनके पोषण सुधार की जिम्मेदारी निभाएँ। हम सबको मिलकर कुपोषण के विरुद्ध लड़ना है और बच्चों को सुपोषित बनाना है।" बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा सभी सीडीपीओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मारपीट में गोली चलाकर घायल करने वाले की जमानत खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार ने एक अभियुक्त द्वारा मारपीट कर गोली चलाकर घायल करने के मामले में कारागार में निरुद्ध अभियुक्त की जमानत प्रार्थना पत्र को निरस्त कर दिया है। डीजी सी शिव राम सिंह ने बताया कि अभियुक्त प्रीतम उर्फ पीतो ने 14 सितंबर 2025 को सायं राजेंद्र सिह पदम सिंह, वीरपाल व पवन के साथ मारपीट कर बंदूक चलाकर घायल कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने प्रीतम उर्फ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बंदूक भी बरामद कर ली। इस मामले में जेल में निरुद्ध अभियुक्त की ओर से जमानत प्रार्थना पत्र दिया गया। न्यायाधीश ने इस मामले मे सुनवाई करने के बाद उसकी जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

त्यौहारों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों के अवकाश निरस्त

यूनिक समय, मथुरा। आगामी त्यौहारों को लेकर रोडवेज से सफर करने वाले यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए मथुरा डिपो के एआरएम ने रोडवेज कर्मचारियों के अवकाश निरस्त करने के आदेश दिए हैं। धनतेरस, दीपावली, भैया दूज एवं गोवर्धन पूजा आदि त्यौहारों को लेकर मथुरा डिपो द्वारा अतिरिक्त बसों को संचालित किया जाएगा और यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा नहीं होने दी जाएगी। वहीं यात्रियों की सुविधा को देखते हुए ही चालक-पारिचालकों एवं अन्य कर्मचारियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। 16 से 31 अक्टूबर तक उपाधिकारी, कर्मचारी, संविदा सहित चालक, परिचालको के सभी प्रकार के अवकाश प्रतिबंधित किए जाते हैं।

अक्षत महोत्सव कल: तैयारियां पूर्ण, बिना पास प्रवेश वर्जित

अक्षत महोत्सव की तैयारियों की जानकारी देते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज तीर्थ देवालय न्यास के तत्वावधान में और ब्रज सेवा फाउंडेशन के आतिथ्य में 15 अक्टूबर, बुधवार को सायं 3 से 6 बजे तक श्री श्री जी बाबा विद्यालय, गोवर्धन रोड, मथुरा में अक्षत महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यह कार्यक्रम केवल पास धारकों के लिए होगा। आयोजकों ने मीडिया के माध्यम से निवेदन किया है कि बिना पास कोई भी व्यक्ति प्रवेश न करे। ब्रज तीर्थ देवालय न्यास के अध्यक्ष श्री रमाकांत गोस्वामी ने बताया कि 7 से 16 नवंबर तक श्री बागेश्वर धाम श्री बांके बिहारी मिलन-सनातन एकता पदयात्रा दिल्ली से वृंदावन तक आयोजित होगी। इस यात्रा के निमंत्रण हेतु यह अक्षत महोत्सव रखा गया है। संरक्षक आचार्य मृदुल कांत शास्त्री और महामंत्री आर.के. पांडे ने कहा कि बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ब्रज के ग्राम प्रधानों, सेवायतों और सामाजिक प्रतिनिधियों को अक्षत व आमंत्रण पत्रक प्रदान करेंगे। मुख्य समन्वयक किशन चौधरी, मुख्य व्यवस्थापक सुमंत कृष्ण शास्त्री, और मीडिया प्रभारी आशीष गर्ग सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053